।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 323

नर्मदापुरम

शुक्रवार, 05 सितंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक एक मजबूत देश और एक सशक्त समाज की बुनियादः पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से अपने आवास 7 लोक कल्याण मार्ग में संवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षकों का कार्य केवल कक्षा तक सीमित नहीं बल्कि उससे आगे भी चरित्र निर्माण और युवा शक्ति की जिज्ञासा को दिशा देने का काम करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक मजबूत देश और एक सशक्त समाज की बुनियाद होते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि शिक्षा देना देश सेवा के क्षेत्र में किसी अन्य सेवा से कम नहीं है। आज भारत विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसमें गुरु शिष्य परंपरा हमारे लिए बहुत बड़ी ताकत है। शिक्षक एक मजबूत देश और एक सशक्त समाज की बुनियाद होते हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सिर्फ वर्तमान नहीं बल्कि देश की भावी पीढ़ी को गढ़ता है और भविष्य को निखारता है। इस अवसर पर उन्होंने देश के विद्यार्थियों और युवा पीढ़ी के लिए एक सवाल पर जोर दिया और कहा कि आज के समय में इसे प्रचारित और प्रसारित किए जाने की जरूरत है।

प्रदेश के 2 शिक्षक उल्लेखनीय कार्य के लिये होंगे सम्मानित

भोपाल। प्रदेश के 2 शिक्षकों को वर्ष-2025 का राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु प्रदान करेंगी। राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने वाले शिक्षकों में दमोह जिले की प्राथमिक शिक्षक श्रीमती शीला पटेल शासकीय प्राथमिक शाला देवरान टपरिया में पदस्थ हैं। आगर-मालवा जिले के श्री भेरूलाल ओसारा माध्यमिक शिक्षक शासकीय ईपीईएस माध्यमिक शाला खेरिया सुसनेर में पदस्थ हैं।

2 किलो हेरोइन, 3.5 लाख की ड्रग मनी व चार पिस्तौल बरामद

चंडीगढ़। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने सरहद पार से चल रहे संगठित हथियार और हवाला नेटवर्क में शामिल तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीमों ने इनके पास से 2.02 किलोग्राम हेरोइन, चार पिस्तौल, 3.5 लाख रुपये हवाला मनी और मोटरसाइकिल बरामद की है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि अमृतसर के गांव कोट मेहताब निवासी हरप्रीत सिंह (23), तरनतारन के गांव सुरसिंह निवासी गुरपाल सिंह (21) और तरनतारन के गांव वायरिंग निवासी रणजोध सिंह (33) को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी ने बताया कि यह गिरोह पाकिस्तान से हेरोइन और हथियारों की तस्करी करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करता था और पंजाब के सरहदी इलाकों में सक्रिय था।

अंतर्मना उवाच

पर्वों के पर्वराज का आठवां चरण - उत्तम त्याग

प्रकृति ने दो मार्ग दिये हैं.. एक- देकर जाओ या दूसरा- छोड़कर जाओ..!

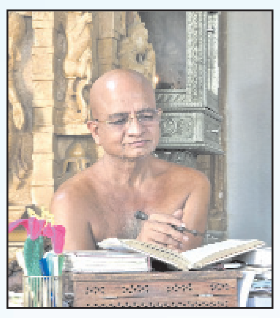

*क्या करके जाना है..! आप कुछ भी जोड़ लो- देखना..! एक दिन छोड़कर चले जाओगे। इसलिए **मेरी एक बात याद रखना- आप भारत की भूमि पर मेहमान हैं, मालिक नहीं।** राग-द्वेष और विकारी भावों का त्याग ही **उत्तम त्याग है।** भीतर से कषाय, द्वेष, ईर्ष्या का त्याग उत्तम त्याग है।*

- *त्याग हमारी चेतना को, स्वस्थ और प्रसन्न करती है।*
- *त्याग प्रकृति प्रदत्त उपहार है।*
- ***नदी** - जल का त्याग करती है।*
- ***वृक्ष** - फलों का त्याग करते हैं।*
- ***गाय** - दूध का त्याग करती है।*
- ***आदमी** - मल मूत्र का त्याग करता है।*
- ***आत्मा** - राग-द्वेष, विकारों का त्याग करता है तो भगवान बन जाता है।*

***त्याग सम्मेद शिखर की कठिन चढ़ाई है, तो राग-द्वेष जीवन की ढलान है।** शिखर जी के पहाड़ चढ़ने में दम लगता है, दम फूलता है, फिर जान निकलती है और पहाड़ उतरने में कोई मशक्कत नहीं करनी पड़ती। **पहाड़ चढ़कर आओ तो आदर, सत्कार। नहीं जाओ तो कर्मों की मार।** भारतीय संस्कृति राग की नहीं - त्याग की संस्कृति है। **किसी ने पूछा..!** दान और त्याग में क्या अन्तर है..! **हमने कहा-** जितना साली और पत्नी में है। दान दिया जाता है। त्याग किया जाता है। **दान- पराधीन है। त्याग- स्वाधीन है। दान देने से पाप का ब्याज चुकता है और त्याग करने से पाप का मूल चुकता है।** भारत महान त्याग से है। जो जोड़ते हैं, वे डूबते हैं। जो छोड़ते हैं या त्याग करते हैं, वे अमर हो जाते हैं।*

इसलिए-

जिनके जोड़े हैं - उनके जोड़ो में दर्द है। कुवारों को जोड़ो के दर्द का एहसास ही नहीं है, क्योंकि उनके जोड़े नहीं है...!!!

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

जीएसटी 2.0 : मोदी सरकार ने आमजन को त्योहारों से पहले दी बड़ी राहत

जीएसटी में बदलाव, रोटी से लेकर टीवी तक हुआ सस्ता

घरेलू सामान सस्ता होने से अब मिडिल क्लास को मिलेगी राहत, उद्योगों को मिलेगी उड़ान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मोदी सरकार ने आम जनता को त्यौहारों से पहले बड़ी राहत प्रदान कर दी है। दरअसल 4 सितंबर को दिल्ली में हुई 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में राहत पहुंचाने वाले बड़े बदलावों पर मुहर लगी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि अब देश में केवल दो सक्रिय जीएसटी स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे। पहले की तरह 12 फीसदी और 28 फीसदी स्लैब को हटा दिया गया है। यह बदलाव 22 सितंबर 2025 से पूरे देश में लागू होगा।

केंद्र सरकार का कहना है कि इन बदलावों से रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाली बहुत सी चीजें सस्ती होंगी, जिससे खासकर मध्यम वर्ग और गरीबों को सीधा लाभ मिलेगा। जीएसटी कटौती के बाद कई जरूरी वस्तुएं अब या तो शून्य टैक्स (0 फीसदी) या सिर्फ 5 फीसदी टैक्स के दायरे में आ गई हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आभार व्यक्त करना चाहती हूं, जिन्होंने जीएसटी में सुधार करने की बात कही थी। जीएसटी में सुधार के लिए सभी राज्यों के वित्त मंत्रियों ने समर्थन दिया। समय की मांग को ध्यान में रखकर वित्त मंत्रियों ने सपोर्ट किया, इसके लिए उनका भी धन्यवाद।

यहां बताते चलें कि शून्य फीसदी जीएसटी वाली चीजें (पूरी तरह टैक्स फ्री) भी हैं, जिनमें 33 जीवन रक्षक दवाएं, कैंसर की दवाएं, दुर्लभ बीमारियों की दवाएं, व्यक्तिगत जीवन बीमा, स्वास्थ्य पॉलिसियां, मानचित्र, चार्ट, ग्लोब, पेंसिल, शार्पनर, क्रेयॉन, पेस्टल, अभ्यास पुस्तिकाएं, नोटबुक, रबड़, दूध, छेना या पनीर, पहले से पैक और लेबल वाला, पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती या रोटी आदि प्रमुख हैं। इसका सीधा लाभ आमजन को मिलेगा वहीं मध्यम वर्गीय परिवारों को भी राहत मिलने की उम्मीद जाहिर की जा रही है। दरअसल पांच फीसदी स्लैब में आने वाले सामान में बालों का तेल, शैम्पू, टूथपेस्ट, टॉयलेट साबुन, टूथब्रश, शेविंग क्रीम, मक्खन, घी, पनीर और डेयरी स्प्रेड, नमकीन, बर्तन, दूध की बोतलें, शिशुओं के लिए नैपकिन और क्लिनिकल डायपर, सिलाई मशीनें और उनके पुर्जे, थर्मामीटर, मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन, सभी डायग्नोस्टिक किट और अभिकर्मक, ग्लूकोमीटर और टेस्ट स्ट्रिप, चश्मा, ट्रैक्टर के टायर, पुर्जे, ट्रैक्टर, निर्दिष्ट जैव-कीटनाशक, सूक्ष्म पोषक तत्व, टपक सिंचाई प्रणाली और स्प्रिंकलर और मिट्टी तैयार करने के लिए कृषि, बागवानी या वानिकी मशीनें शामिल हैं। इन सामानों के सस्ते होने से आमजन को खासी राहत मिलने की उम्मीद है।

उद्योगों को मिलेगी उड़ान

केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा, ये सुधार आम आदमी को ध्यान में रखकर किए गए हैं। आम आदमी के रोजमर्रा के इस्तेमाल की वस्तुओं पर लगने वाले हर टैक्स की कड़ी समीक्षा की गई है और ज्यादातर मामलों में रेट्स में भारी कमी आई है। श्रम-प्रधान उद्योगों को अच्छा समर्थन दिया गया है। किसानों और कृषि क्षेत्र के साथ-साथ हेल्थ सेक्टर को भी फायदा होगा। सरकार के इस कदम से न सिर्फ मिडिल क्लास की बचत बढ़ेगी बल्कि उसकी परचेजिंग पावर भी मजबूत होगी। खरीदारी बढ़ने से श्रम प्रधान उद्योगों से जुड़े लोगों को रोजगार के ज्यादा मौके मिलने की भी उम्मीद है। जीएसटी सुधारों का यह कदम देश के लेबर फोर्स के लिए निर्णायक साबित हो सकता है।

किस सेक्टर में कितनी छूट

फूड आइटम्स

- वनस्पति वसा/तेल 12% से 5% में
- मोम, वनस्पति मोम 18% से 5% में
- मांस, मछली, फूड प्रोडक्ट्स 12% से 5% में
- डेयरी उत्पाद (मक्खन, घी) 12% से 5% में
- छेना-पनीर 12% से 0%
- सोया दूध 12%से 5% में
- चीनी, उबली हुई मिठाइयां 12%-18% से 5% में
- चॉकलेट और कोको पाउडर 18% से 5% में
- पास्ता, कॉर्न फ्लेक्स, नूडल्स, बिस्कुट, माल्ट एक्सट्रेक्ट) 12%-18% से 5% में
- जैम, जेली, मुरब्बा, मेवे/फलों का पेस्ट, सूखे मेवे, मेवे 12% से 5%में
- फलों का रस, नारियल पानी 12% से 5% में
- पहले से पैक पिज्जा ब्रेड, खाखरा, चपाती, रोटी 5% से शून्य

हेल्थ पर जीएसटी

- हेल्थ और टर्म इंश्योरेंस 18%से शून्य
- थर्मामीटर, डायग्नोस्टिक किट 12% 18% से 5%
- रक्त ग्लूकोज मॉनिटर (ग्लूकोमीटर) 12%से 5%
- मेडिकल ग्रेड ऑक्सीजन और हाइड्रोजन पेरोक्साइड 12%से 5%
- चश्मा 12% से 5%
- मेडिकल/सर्जिकल रबर के दस्ताने 12% से 5%
- कई दवाएं और खास दवाएं 12% से 5% या शून्य
- चयनित दुर्लभ औषधियां 5% या 12%से शून्य

कंज्यूमर और डोमेस्टिक वस्तुओं पर जीएसटी

- हेयर ऑयल, शैम्पू, टूथपेस्ट, शेविंग उत्पाद, टैल्कम पाउडर 18%से 5%
- टॉयलेट साबुन (बार/केक) 18% से 5%
- टूथब्रश, डेंटल फ्लॉस 18% से 5%
- शेविंग क्रीम/लोशन, आफ्टरशेव 18% से 5%
- सामान्य टेबलवेयर/किचनवेयर (लकड़ी, लोहा, तांबा, एल्युमीनियम, प्लास्टिक) 12% से 5%
- इरेजर 5% से शून्य
- मोमबत्तियां 12% से 5%
- छाते और संबंधित वस्तु 12% से 5%
- सिलाई सुइयां 12% से 5%
- सिलाई मशीनें और पुर्जे 12% से 5%
- कपास/जूट से बने हैंड बैग 12% से 5%
- शिशुओं के लिए नैपकिन/डायपर 12% से 5%
- पूरी तरह से बांस, बेंत, रतन से बने फर्नीचर 12% से 5%
- दूध के डिब्बे (लोहा/स्टील तथा एल्यूमीनियम) 12% से 5%
- पेंसिल, शार्पनर, चॉक 12% से शून्य
- मानचित्र, ग्लोब, चार्ट 12% से शून्य
- प्रैक्टिस बुक, नोटबुक 12% 5%से शून्य

कागज पर जीएसटी रेट

- अभ्यास पुस्तिकाओं, ग्राफ पुस्तकों, प्रयोगशाला नोटबुक के लिए कागज 12% से शून्य
- ग्राफिक कागज 12% से 18%
- कागज के बोरे या बैग, बायोडिग्रेडेबल बैग 18% से 5%

जीएसटी में नए सुधार 22 सितंबर से लागू होंगे : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने जीएसटी में हुए सुधारों के फायदे गिनाए। साथ ही कांग्रेस पर हमला भी बोला है। वे शिक्षक दिवस से एक दिन पहले पीएम मोदी ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2025 के विजेताओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समय पर बदलाव के बिना, हम आज की वैश्विक परिस्थितियों में अपने देश को उसका उचित स्थान नहीं दिला सकते। पीएम मोदी ने कहा कि मैंने इस बार 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अगली पीढ़ी के सुधार जरूरी हैं। मैंने देशवासियों से यह भी वादा किया था कि इस दिवाली और छठ पूजा से पहले खुशियों का डबल धमाका होगा। इस दौरान पीएम मोदी ने इन सुधारों को 22 सितंबर से लागू होने की वजह भी बताई। पीएम ने अपने संबोधन में कहा कि 22 सितंबर को यानी नवरात्रि के पहले दिन, अगली पीढ़ी का सुधार लागू होगा क्योंकि ये सभी चीजें निश्चित रूप से मातृशक्ति से जुड़ी हैं। आगे उन्होंने कहा कि आठ साल पहले जब त्रस्क्ष लागू हुआ था, तो कई दशकों का सपना साकार हुआ था। यह चर्चा मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद शुरू नहीं हुई। ये चर्चाएं पहले भी होती थीं लेकिन कभी कोई काम नहीं हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जीएसटी आजाद भारत के सबसे बड़े आर्थिक सुधारों में से एक था। दरअसल, ये सुधार देश के लिए समर्थन और विकास की डबल खुराक हैं। एक तरफ़ देश के आम लोगों का पैसा बचेगा, तो दूसरी तरफ़ देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

फैसले से सभी वर्गों के सशक्तिकरण में लाभदायी होगी सिद्ध : सीएम

भोपाल। जीएसटी काउंसिल के फैसले पर सीएम डॉ मोहन यादव की प्रतिक्रिया आई हैं। उन्होंने कहा कि जीएसटी में दी गई राहत सभी के लिए एक गुलदस्ते के समान है। यह निर्णय सभी वर्गों के सशक्तिकरण में लाभदायी सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक उथल-पुथल के बीच देशवासी, उदधमी, गरीब सबका ध्यान रखा है। देश ने दुनिया के सामने अदभुत तस्वीर बनाई है। 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि सौगातें मिलने वाली हैं। एक महीने से कम समय में जीएसटी को लेकर फैसला हुआ। सीएम ने आगे कहा कि गरीबों से लेकर मध्यम वर्ग को बड़ा लाभ मिला है। किसान, शिक्षण सामग्री को लेकर बड़ा निर्णय है। खेती-किसानी की मशीनों को लेकर भी बड़ा निर्णय लिया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में जीएसटी 18 से जीरो प्रतिशत कर दिया गया है, यह पूरे देशवासियों के लिए आनंद की बात है।

जीएसटी में हुए बदलाव से भोपाल के व्यापारियों में उत्साह

भोपाल। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जीएसटी परिषद की बैठक में 8 साल बाद जीएसटी में बड़े बदलाव का एलान किया। यह बदलाव नवरात्र के पहले दिन 22 सितंबर से लागू हो जाएंगे। इससे टीवी, मोबाइल एलसीडी, एलईडी, वॉशिंग मशीन तक सब कुछ सस्ता हो जाएगा। इसे लेकर राजधानी भोपाल के व्यापारियों में भी काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। व्यापारियों का कहना है कि दीपावली से पहले सरकार के इस फैसले से खरीदी में काफी बढ़ोतरी की संभावना है। व्यापारी 22 सितंबर से स्टॉक जुटना शुरू कर देंगे। जीएसटी को लेकर अमर उजाला की टीम ने भोपाल के व्यापारियों से बात की उनका कहना है कि इस बार पिछले साल के मुकाबले डबल स्टॉक जुटाएंगे। कुछ व्यापारियों का कहना है कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बाद से उन्होंने सामान की खरीदी नहीं की है। अब 22 सितंबर से खरीदी शुरू करेंगे। व्यापारियों ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। और उन्हें उम्मीद है कि इस वर्ष दीपावली और दशहरा जैसे त्यौहार में उनको डबल मुनाफा मिलन सकता है। प्रवक्ता भोपाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अजय देवनानी ने कहा है कि देश के प्रधानमंत्री और फाइनेंस मिनिस्टर दोनों का मै व्यापारियों और 140 करोड़ जनता की ओर से हार्दिक अभिनंदन और आभार व्यक्त करना चाहता हूं। पीएम ने 15 अगस्त को लाल किले से जो बात कही थी वह पूर्ण हो गई है। जीएसटी काउंसिल ने कल अपनी बैठक में यह रिफॉर्म्स किए हैं। उन्होंने कहा कि 0% और 40% का स्लैब बहुत कारगर साबित होगा। दिवाली से पहले केंद्र सरकार ने बड़ा धमाका किया है। हर चीज अब सस्ती होगी।चार महीना से बाजार सुस्त पड़ा था अब बाजार में रौनक लौट कर आएगी, ग्राहक घरों से बाहर निकलेंगे और सामान की खरीदारी करेंगे इससे देश की अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा।

जम्मू कश्मीर में धारा-370 हटने के बाद सुशासन आयाः मुख्यमंत्री

देश की अर्थव्यवस्था के हित में है एक राष्ट्र एक चुनावः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पिछले पांच वर्षों से एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर देश भर में अलख जगा रहे हैं। एक राष्ट्र एक चुनाव देश की अर्थव्यवस्था के हित में है। देश की प्रगति के लिये एक राष्ट्र एक चुनाव जरूरी है। इससे न केवल समय बचेगा बल्कि अनावश्यक खर्चों से भी मुक्ति मिलेगी। वर्ष 1967 के पहले देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ होते थे। लेकिन बाद में यह स्थिति बदल गई, अब हमें पुनः उसी स्थिति को लाना होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को इंदौर में ब्रिलियंट कन्वेशन सेंटर में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर आयोजित राष्ट्रव्यापी विचार एवं परामर्श सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के रथ पर आगे बढ़ रहा है। जम्मू कश्मीर में धारा-370 के हटने के बाद सुशासन आया है। उन्होंने कहा कि देश के सामने जब भी कोई चुनौती आई, उससे मुकाबला करने में प्रधानमंत्री मोदी पीछे नहीं हटे। युद्ध की स्थिति में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कुशल नेतृत्व से देश की धारा को बदलने का काम किया है। देश की एकजुटता में प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा योगदान रहा है।

सीएम आज अमानगंज को देंगे 106 करोड़ की सौगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 5 सितम्बर को पन्ना जिले की गुनौर विधानसभा क्षेत्र के अमानगंज में आयोजित कार्यक्रम में 106.15 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 23 करोड़ 73 लाख रुपये के 9 विकास कार्यों का लोकार्पण और 82 करोड़ 42 लाख रुपये के 16 विकास कार्यों का भूमि-पूजन करेंगे। लोकार्पित होने वाले कार्यों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की 1.04 करोड़ रुपये की जल जीवन मिशन की गड़ोखर नल जल योजना, 2.11 करोड़ की बिल्हा सुरदहा नल जल योजना तथा 1.31 करोड़ की टिकरिया नल जल योजना, लोक निर्माण विभाग की 9 करोड़ 99 लाख की 15 किलोमीटर लंबाई की मकरंदगंज हरद्वाही गुन्नौर सड़क मार्ग का उन्नयन कार्य शामिल है।

एमपी में जमकर बरस रहा मानसून, आज 26 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश में बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने आज भारी व अति भारी बारिश की चेतावनी दी है। प्रदेश के 26 जिलों में जोरदार पानी गिरेगा। अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। राजधानी भोपाल में बुधवार रात से ही कहीं धीमी, कहीं तेज बारिश का दौर जारी है। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की वजह से प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है।

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य प्रदेश से एक मानसून ट्रफ गुजर रही है। वहीं, दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन का भी असर है। इस वजह से अगले तीन दिन तक प्रदेश में तेज बारिश का दौर बना रहेगा। अगले 24 घंटे के दौरान झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, देवास और सीहोर में अति भारी बारिश हो सकती है। यहां अगले 24 घंटे में साढ़े 8 इंच तक पानी गिरने की संभावना है। वहीं, भोपाल समेत गुना, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, उज्जैन, इंदौर, रतलाम, धार, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी और बालाघाट में भी भारी बारिश का अलर्ट है। इससे पहले बुधवार को भी प्रदेश के 25 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। पचमढ़ी, रतलाम-नरसिंहपुर में 1 इंच, इंदौर, खरगोन, भोपाल, ग्वालियर-शिवपुरी में पौन इंच, उज्जैन, दमोह और रायसेन में आधा इंच से अधिक पानी गिर गया। गुना में आधा इंच बारिश हुई। बैतूल, दतिया, छिंदवाड़ा, मंडला, हरदा, सागर, सिवनी, बालाघाट, नर्मदापुरम, शाजापुर, उमरिया समेत कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा।

लोकायुक्त ने 30 हजार की रिश्वत लेते 2 कर्मचारियों को पकड़ा

शिवपुरी ■ एजेंसी

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की पिछोर तहसील में स्थित नगर परिषद कार्यालय में गुरूवार को लोकायुक्त ग्वालियर ने 30 हजार रूपए की रिश्वत लेते हुए दो कर्मचारियों को पकड़ा है। जिसमें एक कर्मचारी को फरियादी से 30 हजार रुपए लेते लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों पकड़ा। फरियादी का कहना है कि कंप्यूटर प्रिंटर का मेरा भुगतान कई महीनो से नहीं किया जा रहा था। भुगतान के एवज में मुझसे 60 हजार रुपये की मांग की गई थी। तब मैंने लोकायुक्त से शिकायत की थी। गुरूवार को पहली किस्त 30 हजार दी गई और लोकायुक्त टीम ने नगर परिषद के कर्मचारी रामबाबू त्रिपाठी एवं दीपक सिंह को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त ने भ्रष्टाचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर, जांच प्रारंभ कर दी है।

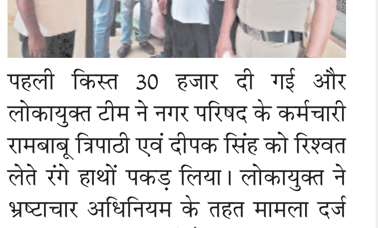

आगरमालवा में 253 किलो गांजे के साथ दो आरोपित गिरफ्तार, डेढ़ करोड़ का माल जब्त

आगरमालवा। मध्य प्रदेश के आगर मालवा पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार कर उनके पास से 253 किलो गांजे सहित एक करोड़ बहोत्तर लाख का मश्रुका जप्त करने में सफलता हांसिल की है। आगर मालवा पुलिस अधीक्षक ने गुरूवार को बताया कि जिले की बड़ौद पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम खजूरीजोड़ पर खड़े एक ट्रक में अवैध गांजा भरा हुआ है। सूचना मिलने पर बड़ौर पुलिस द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए शंका के आधार पर ट्रक को रोककर तलाशी लेने पर 50 पैकेट एवं एक थैली में भरा हुआ कुल 253 किलोग्राम से अधिक गांजा बरामद किया। ड्राइवर एवं क्लीनर से की गई पूछताछ में दोनो आरोपितों ने गांजा परिवहन करना स्वीकार किया। दोनो आरोपितों सुरेश सिंह सौंधिया पुत्र गुमानसिंह सौंधिया निवासी ग्राम मालाखेड़ा पुलिस थाना ताल जिला रतलाम तथा बद्रीलाल ओढ़ पुत्र मांगीलाल ओढ़ निवासी ग्राम बोरखेडी पुलिस थाना गरोठ जिला मंदसौर को गिरफ्तार कर बड़ौद पुलिस थाने में अपराध क्रमांक 161/25 भादवि की धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है। दोनों आरोपियों से अवैध मादक पदार्थ गांजा के परिवहन, संग्रहण एवं क्रय विक्रय के संबंध में पूछताछ की जा रही।

सीएम ने एमवाय अस्पताल घटना की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश के इंदौर में एमवाय अस्पताल में चूहों के काटने से दो नवजात बच्चों की मौत के मामले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुख जताया है। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद बुधवार देर रात तत्काल विभागाध्यक्ष को नोटिस जारी किया गया और दो अन्य अफसरों को सस्पेंड कर दिया गया। मामले में बुधवार देर रात तक कुल 4 लोग सस्पेंड हो चुके हैं। बुधवार देर रात मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी गई। एक्स पर लिखा, 'मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर एमवाय अस्पताल में नवजात शिशुओं की हुई मृत्यु को दुखद बताया, उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल पटेल ने शिक्षक दिवस की शिक्षकों को दी शुभकामनाएं

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों की कर्तव्यनिष्ठा और सेवा- भावना का अभिनंदन किया है। साथ ही प्रदेश के सभी गुरुजनों को बधाई और शुभकामनाएं दी है। शिक्षकों के उज्ज्वल, सुखी, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना भी की है। शिक्षक दिवस राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर मनाया जाता है। राज्यपाल पटेल ने शुभकामना संदेश में कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का योगदान अतुलनीय है। भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरुजन हमारी गौरवमयी संस्कृति की पहचान है। शिक्षक ही है, जो राष्ट्र के नागरिकों को पीढ़ी-दर-पीढ़ी ज्ञान और दक्षता प्रदान करते हैं।

होमगार्ड जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। बिलखिरिया थाना इलाके में स्थित कोकता ट्रांसपोर्ट नगर मल्टी में रहने वाले होमगार्ड जवान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है। थाना पुलिस ने बताया कि पुरुषोत्तम नामदेव उर्फ जग्गा (50) कोकता ट्रांसपोर्ट नगर मल्टी में रहता था, और होमगार्ड में जवान था। जग्गा करीब बीस साल से जहांगीराबाद थाने की गाड़ी चला रहा था। बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात जग्गा घर पर था। रात के समय वह लघुशंका करने के लिए उठा इसी दौरान चक्कर आने के बाद वह बेसूध होकर बाथरूम के पास गिर गया। परिवार वाले उसे फौरन ही इलाज के लिये अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर शुरुआती चेकअप के बाद ही जग्गा को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि मौत का कारण पीएम रिर्पोट आने पर ही साफ हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

गोदाम से एक लाख का माल ले उड़े चोर

भोपाल। शाहजहॉनाबाद थाना इलाके में अज्ञात बदमाश ने गोदाम को अपना निशाना बनाते हुए खिड़की से अंदर घुसा और करीब एक लाख रुपए का माल बटोकर चंपत हो गया। पुलिस केअनुसार थाना इलाके में रहने वाले 27 वर्षीय सजल जैन ने अपनी शिकायत में बताया की वह अपने घर के नीचे ही हार्डवेयर एवं कान्फेक्शनरी की दुकान चलाते हैं। दुकान के पीछे वाले कमरे में उन्होंने माल रखने के लिये गोदाम बना रखा है, जहां काफी रखा रहता है। तीन दिन पहले रात करीब 10 बजे दुकान बंद कर वह मकान के दूसरे फ्लोर पर बने अपने फ्लैट पर चले गए। अगली सुबह करीब 8 बजे जब वह वापस नीचे आये तो देखा की गोडाउन की खिड़की टूटी नजर आई। अंदर जाकर चैक करने पर पता चला की अज्ञात गोदाम में दाखिल हुए बदमाश वहां रखी पेय ड्रिंक की पेटियां, घी के डिब्बे, दराज में रखी 6 हजार की नकदी सहित करीब 90 हजार का माल चोरी कर ले गए।

शराब तस्करी कर रहा तस्कर धराया

भोपाल। मिसरोद पुलिस ने शराब तस्करी कर रहे युवक को रंगे हाथ दबोचते हुए हजारो की शराब जप्त की है। पुलिस के अनुसार बीती शाम मुखबिर से सूचना मिली कि एक सदिंग्ध युवक मंडीदीप से बैग में अवैध रुप से शराब छिपाकर एक्टिवा से भोपाल आ रहा है। आरोपी इस शराब को भोपाल में खपाने के लिये लेकर निकला है। खबर मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी कर आईपीएस स्कूल के पास सदिंग्ध एक्टिवा सवार युवक को रोका। पुलिस टीम देखकर युवक ने भागने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। तलाशी लेने पर उसके पास देशी शराब के 40 क्वार्टर मिले।

उद्योग मजबूत होंगे, निवेश बढ़ेगा, रोजगार के होंगे अवसर सृजित

जीएसटी सुधारों से भारतीय अर्थ-व्यवस्था होगी और ज्यादा गतिशील-उप मुख्यमंत्री

- बाजारों की बढ़ जायेगी रौनक
- प्रधानमंत्री मोदी और केन्द्रीय वित्त मंत्री सीतारमण का माना आभार

भोपाल ■ निसं

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने जीएसटी स्लैब को चार से घटा कर दो करने के ऐतिहासिक निर्णय को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिये क्रांतिकारी बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री मती निर्मला सीतारमण का आभार व्यक्त किया है। देवड़ा ने कहा कि जीएसटी की दरों को और अधिक तार्रिकिक और सरल बनाने का जो ऐतिहासिक निर्णय प्रधानमंत्री मोदी ने लिया है वह सिर्फ कर ढांचे में सुधार नहीं बल्किक अर्थव्यवस्था को नई गति देनेवाला दूरदर्शी कदम है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में अगली पीढ़ी के सुधारों को लागू करने का निर्णय भारत की अर्थव्यवस्था की गति को और तेजी से बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि इस निर्णय से उदयोग और व्यापार जगत को बड़ी राहत मिलेगी। छोटे और मध्यम उदयोगों की लागत घटेगी और वे ज्यादा से ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनेंगे। उन्होंने कहा कि उत्पादन और वितरण तंत्र सरल और किफायती होगा।

उपभोक्ताओं को आवश्यक वस्तुएं और सेवाएं पहले की तुलना में अधिक उचित दाम पर मिलेंगी। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि बढ़ती हुई करदाताओं की संख्या न केवल कर संग्रहण और अर्थवयवस्था को विधिसंगत बनाती है, साथ ही यह भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और कर प्रणाली पर बढ़ते विश्वास को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने से कर प्रणाली अधिक पारदर्शी और सरल बनेगी। ईमानदार करदाताओं को सुविधा होगी। अनुपालन आसान होगा और प्रशासनिक जटिलताएं कम होंगी। इससे निवेश बढ़ेगा और रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी। साथ ही कर विवाद कम होने से कर अववंचन में भी कमी आयेगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश जैसे कृषि प्रधान राज्य के लिये ट्रेक्टर और उसके पार्टस की दर सुधार से किसानों को लाभ होगा। खाद के निर्माण में उपयोग होने वाले कच्चे माल में दर में कमी से खाद के मूल्य में कमी होगी जिसका लाभ किसानों को मिलेगा। इसी प्रकार नमकीन तथा कन्फेक्शनरी में हो रहे मिस क्लासफिकेशन को समाप्त करने के लिए जो कदम उठाये जा रहे हैं इससे इंदौर के नमकीन तथा कन्फेक्शनरी सेक्टर को प्रोत्साहन मिलेगा और आय में वृद्धिह होगी।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी दूरदृष्टि सम्पन्न नेता हैं। उनके निर्णय से आम नागरिकों का जीवन आसान होगा। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, आटोमोबाइल और इलेक्ट्रानिक, स्टी ल, सीमेंट और टैक्सटाइल क्षेत्र में जीएसटी सुधारों का सीधा प्रभाव पड़ेगा और नागरिकों को राहत मिलेगी। ग्रीन इनर्जी और रियलस्टेट क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ेंगे। अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र को लाभ मिलेगा।

देश आत्मनिर्भरता की राह पर और तेजी से आगे बढ़ेगा

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि पूरी दुनिया में आर्थि क परिस्थिकतियां चुनौतीपूर्ण हैं। भारतीय उत्पाद अब कम लागत पर तैयार होंगे और वैश्विंक बाजारों में और अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। इससे भारत की निर्यात क्षमता को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने वाला है। अब उदयोग मजबूत होंगे, निवेश बढ़ेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। देश आत्मनिर्भरता की राह पर और तेजी से आगे बढ़ेगा।

पर्यावरण सुधार के साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनी परियोजना

भोपाल ■ निसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में एक बगिया माँ के नाम परियोजना मध्यप्रदेश में पर्यावरण सुधार के साथ महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन रही है। राज्य शासन ने महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत प्रदेश में एक बगिया मां के नाम परियोजना प्रारंभ की है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अपनी निजी भूमि पर फलदार पौधे लगाए जा रहे हैं। माँ की बगिया विकसित करने के प्रति समूह की महिलाओं में काफी उत्साह दिखाई दे रहा है। अब तक 10 हजार 162 महिलाओं को माँ की बगिया स्वीकृति की चुकी है।

परियोजना के अंतर्गत प्रदेश सरकार द्वारा 1000 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। इसके अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को पौधों की सुरक्षा से लेकर कटीले तार की फेंसिंग, पौधे खरीदने, खाद, गड्ढे खोदने के साथ ही सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि भी उपलब्ध कराई जा रही है। फलोद्यान की बगिया विकसित करने में वर्तमान में सिंगरौली जिला सबसे आगे है। खंडवा जिला प्रदेश में दूसरे नंबर है।

40 हजार से अधिक पंजीयन

योजना का लाभ लेने के लिए स्व-सहायता समूह की महिलाओं का चयन एक बगिया मां के नाम ऐप से किया जाता है। ऐप का निर्माण मनरेगा परिषद द्वारा कराया गया है। परियोजना के अंतर्गत प्रदेश समूह की 31 हजार 300 महिलाओं को लाभांवित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। ऐप पर 40 हजार 406 महिलाओं ने एक बगिया मां के नाम पर पंजीयन कराया है, जो निर्धारित लक्ष्य से अधिक है।

एनआईआरएफ रैंकिंग-2025

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय प्रदेश का एकमात्र निजी विश्वविद्यालय, जिसने लगातार सातवें वर्ष यूनिवर्सिटी रैंकिंग में हासिल किया स्थान

भोपाल ■ निसं

शिक्षा मंत्रालय भारत शासन की नेशनल इंस्टिट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) की इंडियन रैंकिंग 2025 की हाल ही में माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने घोषणा की है। मध्य प्रदेश के निजी विश्वविद्यालयों में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एक मात्र विश्वविद्यालय है जिसने लगातार सातवें वर्ष देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय में अपना स्थान बनाया है। इस वर्ष यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय ने 151-200 रैंक बैंड और इंजीनियरिंग रैंकिंग में 201-300 रैंक बैंड में स्थान हासिल किया है। रैंकिंग का निर्धारण विभिन्न पैरामीटर्स के आधार पर किया जाता है। जिसमें टीचिंग, लर्निंग व रिसोर्सेस, रिसर्च एण्ड प्रोफेशनल प्रैक्टिस, ग्रेजुएशन आउटकम, आउटरीच एण्ड इनक्लूसीविटी और परसेप्शन शामिल है।

इस उपलब्धि पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे ने विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि यह गौरव की बात है कि विश्वविद्यालय निरंतर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। प्रयोजी निकाय आईसेक्ट संस्था के सचिव डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, विश्वविद्यालय की प्रो-चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलपति डॉ रवि प्रकाश दुबे, आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स तथा प्रतिकुलपति डॉ. संजीव गुप्ता और कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी और प्रशासनिक स्टाफ को बधाई दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ रवि प्रकाश दुबे ने बताया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ के विभिन्न पैरामीटर्स पर अच्छे अंक प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य आगामी वर्षों में देश के शीर्ष 100 संस्थानों में अपनी जगह बनाने का है। वहीं आईक्यूएसी निदेशक डॉ. नितिन वत्स ने कहा कि इस सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संपूर्ण टीम को जाता है। विश्वविद्यालय का कौशल विकास, ई-लर्निंग, उद्यमिता, कला एवं संस्कृति, खेल, शोध और नवाचार पर हमारा विशेष ध्यान केंद्रित है।

दवा कंपनी के कर्मचारी के घर से लाखो के गहने चोरी, नौकरानी पर संदेह

भोपाल। मिसरोद इलाके में रहने वाले एक दवा कंपनी के कर्मचारी के कमरे में रखी अलमारी से करीब 7 लाख रुपए के जेवरात गायब हो गए। फरियादी ने चोरी का सदेंह घर में काम करने वाली नौकरानी पर जताया है, जिसके आधार पर पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार परिवार सहित साई पार्क कॉलोनी में रहने वाले सतीश श्रीवास (42) ने पुलिस को लिखित शिकायत करते हुए बताया की वह मंडीदीप स्थित एक दवा कंपनी में नौकरी करते हैं। रोजाना की तरह दो दिन पहले वह ऑफिस जाने के लिए तैयार हो रहे थे। इस बीच अलमारी से कपड़े निकालने के दौरान उनकी नजर अलमारी के लॉकर पर पड़ी जो खुला हुआ नजर आया। उन्होंने पत्नी को बुलाकर पूछा तब पत्नी ने उन्हें बताया की उन्होनें कई दिनो से लॉकर नहीं खोला है। दंपत्ति ने लॉकर खोलकर देखा तो उसमें रखे सोने-चांदी के करीब 7 लाख के जेवरात गायब मिले।

4 ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी की यात्रा पर रवाना होगी भारत गौरव ट्रेन

भोपाल ■ निसं

आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक धरोहरों को एक साथ अनुभव करने की चाह रखने वालों के लिए भारतीय रेल एक सुनहरा अवसर लेकर आई है। आगामी 25 अक्टूबर 2025 से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन चार ज्योतिर्लिंग और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी यात्रा पर रवाना होगी। यह विशेष यात्रा नौ दिनों में श्रद्धालुओं को मध्यप्रदेश और गुजरात के प्रमुख तीर्थों व ऐतिहासिक स्थलों तक लेकर जाएगी।

इस यात्रा की शुरुआत अमृतसर से होगी और यह जलंधर शहर, लुधियाना, चंडीगढ़, अम्बाला छावनी, कुरुक्षेत्र, करनाल, पानीपत, सोनीपत, दिल्ली छावनी और रेवाड़ी जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर श्रद्धालुओं को अपने पवित्र गंतव्यों तक पहुँचाएगी। यात्रियों को इस दौरान उज्जैन में महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का सौभाग्य मिलेगा। इसके बाद यात्रा केवड़िया पहुँचेगी, जहां यात्री आधुनिक भारत की शान और विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' की सैर करेंगे। इसके पश्चात यह ट्रेन द्वारका जाएगी, जहां श्रद्धालुओं को द्वारकाधीश मंदिर और नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। अंत में यात्रा सोमनाथ पहुंचेगी, जहाँ प्रसिद्ध सोमनाथ ज्योतिर्लिंग का पावन दर्शन कराते हुए यह पवित्र सफर पूर्ण होगा।

यात्रा के लिए तीन श्रेणियों में सीटें- स्लीपर क्लास (640 सीटें), 3ए स्टैंडर्ड (70 सीटें), और 2ए कम्फर्ट (52 सीटें) उपलब्ध हैं। वहीं किराया भी काफी किफायती रखा गया है। स्लीपर क्लास ?19,555, 3ए ?27,815 और 2ए ?39,410 प्रति व्यक्ति। इस पैकेज में ट्रेन टिकट के साथ-साथ दैनिक भोजन, आरामदायक आवास, दर्शनीय स्थलों की यात्रा के लिए एसी/नॉन-एसी बस, टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा एवं प्राथमिक चिकित्सकीय सुविधा आदि शामिल हैं।

प्रदेशभर में पकड़े जाएंगे लाल मुंह वाले बंदर

वन विभाग ने कलेक्टरों और सीईओ को जारी किए निर्देश

भोपाल ■ निसं

प्रदेश में अब लाल मुंह वाले बंदरों को पकड़ा जाएगा। वन विभाग ने इसको लेकर सभी कलेक्टरों और सीईओ को निर्देश जारी कर इस तरह के मामलों में कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। वन विभाग ने कहा है कि जिन जिलों में लाल मुंह वाले बंदर आम लोगों के जीवन को प्रभावित कर रहे हैं वहां उनको पकडने के लिए सभी नगर निगम और स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, ट्रेंड संस्थाओं के माध्यम से आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

कलेक्टरों को भेजे पत्र में कहा है कि सीएम हेल्पलाइन पोर्टल पर बंदर पकडने से संबंधित शिकायतों के मामले आए हैं। जानकारी में आया है कि कुछ जिलों में आमजन को घायल करने और घरों से भोजन सामग्री उठाने की घटनाएं हुई हैं। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से नागरिकों द्वारा ऐसे मामलों में बंदरों को पकडने की शिकायत दर्ज की जाती है। पहले वन विभाग बंदरों को पकड़ता था। लेकिन, 2022 में वन्य जीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 में किए गए संशोधन के बाद लाल मुंह के बंदर को अधिनियम की अनुसूची से बाहर कर दिया है। जिसके कारण अब वन विभाग को लाल मुंह वाले बंदरों को पकडने का अधिकार नहीं है।

वन विभाग के उपसचिव के पत्र के अनुसार इन हालातों में स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत, नगर निगम के माध्यम से आतंक फैलाने वाले लाल मुंह के बंदरों को पकडने के लिए कार्यवाही की जा सकती है। इसके लिए वन विभाग से अनुमति लेने की आवश्यकता भी नहीं है। इसके लिए प्रशिक्षण संस्थाओं की भी मदद ली जा सकती है।

यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की रिपोर्ट

स्कूलों में टॉयलेट न होने से पेशाब रोक रहे बच्चे, किडनी इंफेक्शन का खतरा

भोपाल ■ निसं

मप्र में प्राइमरी, मिडिल, हाई स्कूल और हायर सेकंडरी मिलाकर 1,22,120 सरकारी या सरकार से सहायता प्राप्त स्कूलों का संचालन किया जा रहा है। यहां पहली से 12वीं कक्षा तक डेढ़ करोड़ से अधिक विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन इनमें से 10 से 20 प्रतिशत स्कूलों में मूलभूत सुविधाएं भी बच्चों को नहीं मिल रही है। जिससे बच्चे दुर्घटना या बीमारी का शिकार हो रहे हैं। इसका खुलासा केंद्र सरकार द्वारा कराए गए सर्वे में सामने आया है। इस सर्वे को यूडीआईएसई प्लस यानि यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस 2024-25 ने किया है।

मप्र के सरकारी स्कूलों में टॉयलेट की कमी के कारण छात्राओं को भी खुले में टॉयलेट का इस्तेमाल करना पड़ता है। प्रदेश के 15,124 स्कूल ऐसे हैं, जिनमें लड़कियों के लिए शौचालय की व्यवस्था नहीं है।

ऐसे में लड़कियों की मजबूरी होती है, कि या तो खुले में टॉयलेट जाएं या फिर इसे रोक कर रखें। हालांकि करीब 17,600 सरकारी स्कूलों में लडक़ों के साथ भी यही समस्या है। इसलिए बच्चों स्कूलों में पानी कम पीते हैं, जिससे उनको बार-बार टॉयलेट न जाना पड़े। ये बच्चे घर से टॉयलेट करके आते हैं और दोबारा वापस घर लौटने के बाद करते हैं।

7 हजार स्कूलों में हाथ धोने की व्यवस्था नहीं

मप्र के 76,966 यानि करीब 65 प्रतिशत स्कूल पीने के पानी के लिए हैंडपंप पर निर्भर हैं। जबकि 37,181 स्कूलों में नल से जल की सप्लाई की जा रही है। वहीं, करीब 1800 स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिए कुंए का इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन इनमें 370 कुंए असुरक्षित हैं। इसके बावजूद इन स्कूलों में बच्चों को पानी पीने के लिए जीवन दांव पर लगाना पड़ता है। यूडीआईएसई प्लस की रिपोर्ट में सामने आया है कि करीब 7 हजार सरकारी स्कूल ऐसे भी हैं, जहां बच्चों के लिए हाथ धोने की व्यवस्था भी नहीं है।

बइरबी-सायरंग रेल परियोजना से मिजोरम को

पहली बार राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से जोड़ने का ऐतिहासिक कार्य संपन्न

भोपाल ■ निसं

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। 10 जून 2025 को हरतकी से सायरंग तक अंतिम रेल खंड के चालू होने के साथ ही बइरबी-सायरंग नई रेल परियोजना पूर्ण हो गई। इसके साथ ही मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल पहली बार भारतीय रेल नेटवर्क से जुड़ गया। यह महत्वाकांक्षी परियोजना 29 नवम्बर 2014 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा रखी गई आधारशिला से आरंभ हुई थी। वर्ष 2016 में बइरबी तक मालगाड़ी पहुँचने के बाद, अब 51.38 किलोमीटर लंबी पूरी लाइन को चालू कर दिया गया है। इस परियोजना की कुल लागत लगभग 8071 करोड़ रुपये रही।

परियोजना की तकनीकी विशेषताएँ: यह रेल मार्ग कोलासिब और आइज़ोल जिलों से होकर गुजरती है और 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति क्षमता के अनुरूप तैयार किया गया है। इसमें कुल चार स्टेशन हरतकी, कॉनपुई, मुअलखांग एवं सायरंग निर्माण किए गए हैं।

इस रेल मार्ग में 153 पुलों का निर्माण किया गया है। जिनमें 55 बड़े पुल, 88 छोटे पुल और 10 आरओबी/आरयूबी शामिल है। साथ ही 45 सुरंगें बनाई गई हैं।

कुल 11.78 किलोमीटर लंबाई पुलों से और 15.885 किलोमीटर लंबाई सुरंगों से होकर गुजरती है।

सबसे लंबी सुरंग 1.868 किलोमीटर की है और सभी सुरंगों में आधुनिक बलास्ट रहित पटरियाँ बिछाई गई हैं। सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध बनाने हेतु सुरंगों की दीवारों पर मिज़ोरम की लोक संस्कृति, पहनावे, त्यौहारों और जैव विविधता को दर्शाते भित्तिचित्र बनाए गए हैं।

चुनौतियों पर विजय: यह परियोजना कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और प्रतिकूल मौसम के बावजूद पूरी की गई। अप्रैल से अक्टूबर तक चलने वाले भारी मानसून, बार-बार होने वाले भूस्खलन और निर्माण सामग्री की दूर-दराज़ से आपूर्ति जैसी चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया गया। कठिन पहाड़ी इलाकों और कमजोर चट्टानों के बीच 65 मीटर तक गहरी कटाई करके सुरक्षित ट्रैक बिछाया गया।

परियोजना से लाभः इस परियोजना से मिज़ोरम की राजधानी आइज़ोल सहित पूरे क्षेत्र को अनेक लाभ होंगे।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन सौश्रृति 2025 का आयोजन

सम्पूर्ण देश से 700 प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन प्राप्त हो चुके हैं

भोपाल ■ निसं

एल. एन. आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल, विश्व आयुर्वेद परिषद व आरोग्य भारती के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन सौश्रृति 2025 आगामी 06 व 07 सितम्बर को एल. एन. सी. टी. विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित किया जायेगा। जिसमें अब तक सम्पूर्ण देश से लगभग 700 प्रतिभागियों के रजिस्ट्रेशन प्राप्त हो चुके हैं।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में आयुष मंत्री म.प्र. शासन इंदर सिंह परमार व समापन सत्र हेतु उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल व विधायक हुजूर क्षेत्र रामेश्वर प्रसाद शर्मा आमंत्रित हैं। एन. सी. आई. एस. एम. नयी दिल्ली के सदस्य डॉ. के. के. द्विवेद्वी, डॉ. सुश्रुत कनौजिया, डॉ. अतुल वार्ष्णेय व आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मिहिर कुमार झा, पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल के सी. ई. ओ. व प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला व राष्ट्रीय गुरू आर. ए. वी. नयी दिल्ली डॉ. मधुसूदन देश पांडे सम्मेलन में उपस्थित रहेंगे। साथ ही देश भर से आयुर्वेद जगत के पचास से अधिक विद्वान अपने ज्ञान से छात्र छात्राओं को उपकृत करेंगे। द्वि दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में जहां एक ओर सम्पूर्ण देश से प्रतिभागी भाग लेंगें वहीं कार्यक्रम में अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान नयी दिल्ली के डीन (पी.एच.डी.) डॉ. महेश व्यास, सतारा महाराष्ट्र सावरकर आयुर्वेद आयुर्वेद महाविद्यालय के प्रचार्य श्रीनाथ काशीकर, विश्व स्वास्थ्य संगठन के ट्रेडिशनल मेडीसिन इकाई के टैक्निकल ऑफिसर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेद के प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार गोडत्वार, बेल्गवी कर्नाटक से डॉ. प्रदीप शिंदे, राजकोट गुजरात से डॉ. प्रकाश कुम्भकार, व जयपुर राजस्थान से लोकेन्द्र पहाडिया, महात्मा गांधी आयुर्वेद कॉलेज वर्धा महाराष्ट्र की प्रोफेसर डॉ. शीतल असुटकर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इस अवसर पर आयुर्वेद के शल्य तंत्र विधा के विद्वान चिकित्सकों को आचार्य सुश्रुत पुरुष्कार से नवाजा जायेगा जिसके लिये संपूर्ण देश से नामांकन आमंत्रित किये जा रहें हैं व इनमें से पांच विद्वान चिकित्सकों को चुनकर शॉल, श्री फल, माला, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह व ग्यारह हजार एक सौ ग्यारह रूपया नगद राशि के साथ सम्मानित किया जायेगा। साथ ही शल्य तंत्र विधा से संबंधित लाइव कार्यशाला का आयोजन होगा। राष्ट्रीय आयुर्वेद सम्मेलन में सौ से अधिक शोध पत्रों का वाचन होगा व अखिल भारतीय स्तरीय निबंध प्रतियोगिता व पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जायेगा।

यह सेमिनार म. प्र. आयुर्वेदिक यूनानी चिकित्सा बोर्ड भोपाल द्वारा सी. एम. ई. क्रेडिट पॉइन्टस के लिये चुना गया है। देश के आयुष मंत्रालय व एन. सी. आई. एस. एम. नयी दिल्ली द्वारा समर्थित है। इस अवसर पर डाबर,, केरला आयुर्वेद आदि दवा निर्माता कंम्पनी अपने उत्पादों का प्रदर्शन सहयोग एवं समर्थन हेतु उपस्थित रहेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सपन जैन, निर्देशक डॉ. विशाल शिवहरे ने सभी से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आयोजन को सफल बनाने का आवाहन किया है।

पीएचई ने 141 इंजीनियरों को दिया नोटिस

भोपाल। प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) ने उन 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्होंने बिना फील्ड विजिट और साइट निरीक्षण किए बंद कमरों में बैठकर योजनाओं की डीपीआर तैयार की। इन इंजीनियरों पर यह आरोप है कि इन्होंने कागजों पर योजनाओं के आकलन में भारी गड़बड़ी की, जिसके चलते योजनाओं की लागत बेवजह बढ़ गई। जांच में पाया गया कि संबंधित इंजीनियरों ने न तो गांवों का दौरा किया और न ही स्थलीय स्थिति का आकलन किया। पूरी डीपीआर केवल कागजों पर तैयार की गई। इसी आधार पर विभाग ने 141 इंजीनियरों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा है।

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियर में बच्ची का अपहरण करने वाले नहीं मिले

ग्वालियर। ग्वालियर रेलवे स्टेशन से दस दिन पहले 3 साल की बच्ची का अपहरण करने वाले कपल का जीआरपी पुलिस अब तक सुराग नहीं लगा पाई है। बच्ची का अपहरण कर ले आते कपल की पूरी घटना स्टेशन के प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी में कैद हुई थी, घटना 25 अगस्त रात 8:30 बजे की है। घटना के बाद से ही वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा बनाई गई तीन टीमें बच्ची और उसका अपहरण करके ले जाने वाले कपल की तलाश कर रही है। दतिया जिले की रहने वाली महिला रोशनी अपनी 3 साल की बेटी राधा के साथ रात 8:30 बजे ग्वालियर स्टेशन पहुंची थी और उसे दिल्ली जाना था। वह प्लेटफॉर्म नंबर 1 के नए फुट ओवरब्रिज से उतरी थी। इसी दौरान उसे पेट में दर्द होने लगा था, इस लिए रोशनी अपनी बच्ची को सीढ़ियों पर बिठाकर पास में बने एक शौचालय में टॉयलेट करने चली गई। लेकिन 5 मिनट बाद में जैसे ही टॉयलेट कर कर वापस लौटी तो उसे बच्ची सीढ़ियों पर नहीं मिली। 26 अगस्त को जब स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए थे तो उसमें एक कपल बच्ची अपहरण कर ले जाते हुए कैद हुए थे।

डबरा में करंट लगने से बाप-बेटे की मौत

डबरा। डबरा अनुविभाग के पिछोर क्षेत्र के विर्राट गांव में गुरुवार सुबह करंट की चपेट में आए बाप-बेटे की मौत हो गई। दोनों सुबह के खेत में लगी धान की फसल को देखने के लिए पहुंचे थे। जानकारी के अनुसार गुलाब सिंह बघेल (55) और उनके बेटे संदीप बघेल (25) सुबह अपने खेत पर गए थे। खेत में 33 केवी की बिजली लाइन का तार टूटा हुआ था। दोनों को यह तार नहीं दिखा और वे उसकी चपेट में आ गए। करंट लगने से घटनास्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों ने हादसे की सूचना परिजनों को दी। परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही पिछोर थाना प्रभारी बलविंदर ढिल्लन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पंचनामा बनाया और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा।

गहना चोर बैंककर्मी धर्म बदलकर बना जीशान, पूजा-पाठ छोड़ा

उज्जैन। उज्जैन की SBI ब्रांच से 5 करोड़ के जेवर और 8 लाख कैश चोरी की प्लानिंग करने वाला बैंक का आउटसोर्स कर्मचारी जय भावसार उर्फ जीशान ही निकला। उसी ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। अब पुलिस ने मामले में नया खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि वारदात में शामिल जय के चार दोस्त पिछले 6 माह से धर्म परिवर्तन के लिए उसका ब्रेनवाश कर रहे थे। इसी के चलते वह यूट्यूब पर धर्म परिवर्तन करने के वीडियो देखता रहता था। 2 सितंबर को महानंदा नगर ब्रांच में हुई 4 किलो 700 ग्राम सोने की चोरी के मामले में पुलिस ने वहीं पर काम करने वाले जय भावसार और उसके साथी अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना के बाद सुबह साफ-सफाई के लिए सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था। उसने ही चोरी की खबर अपने अधिकारियों को दी थी, जिसके बाद पता चला कि बैंक में गिरवी रखा करीब साढ़े चार किलो सोना और 8 लाख रुपए कैश गायब है।

भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां स्वच्छता की देवी की भी पूजा करते हैं

सफाई मित्रों के साथ स्नेह भोज किया, कहा- इंदौर का स्वच्छता से सात जन्मों का नाता

इंदौर ■ निसं

स्वच्छता में देश के पहले शहर इंदौर को गुरुवार को नई सौगात मिली है। ग्रीन मोबिलिटी को बढ़ावा देने एवं लास्ट माइल कनेक्टिविटी के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर से हरी झंडी दिखाकर 50 इलेक्ट्रिक एसी बसों का शुभारंभ किया। अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित इन बसों का संचालन नेट कास्ट मॉडल पर किया जाएगा।

इंदौर शहर के सफाई मित्रों के सम्मान के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उनके साथ भोजन किया। उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने हर बार स्वच्छता की नई-नई शर्तें लगाईं। पर ये यहां के स्वच्छता के सिपाही हैं, जो हर बार इंदौर को नंबर वन लाए। अब स्वच्छता का इंदौर से सात जन्मों का नाता हो गया है। इंदौर ने देश के बड़े-बड़े शहरों से चुनौती ली। इस शहर ने सबको पीछे छोड़ दिया। यहां जो होता है सर्वश्रेष्ठ होता है। भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां स्वच्छता की देवी की भी पूजा करते हैं। शीतला माता की पूजा भी शीतला सप्तमी के दिन की जाती है। यह समृद्धि की देवी है।

वहीं, बीसीसी में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि ये आज देश की जरूरत है। 1969 तक ऐसा होता था, लेकिन वोट की राजनीति करने वालों ने चुनाव प्रक्रिया को कई भागों में बांट दिया।

बीसीसी में आयोजित एक राष्ट्र एक चुनाव कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि ये आज देश की जरूरत है। 1969 तक ऐसा होता था, लेकिन वोट की राजनीति करने वालों ने चुनाव प्रक्रिया को कई भागों में बांट दिया। देश के विकास के लिए अलग-अलग राज्यों के चुनाव बाधा बनते थे। ये पाप कांग्रेस के माथे है। संविधान की दुहाई देने वालों ने अपने हिसाब से संविधान संशोधन किए।

भाजपा को छोड़कर दूसरी पार्टियां राष्ट्रनीति पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। आज के समय का तकाजा है कि दुनिया के सबसे बड़े देश को दोबारा एक राष्ट्र एक चुनाव प्रक्रिया पर आना ही पड़ेगा।

50 ईवी बसों की कीमत 60 करोड़ से ज्यादा

सीएम यादव ने स्नेह भोज से पहले 60 करोड़ की लागत से खरीदी गई 50 इलेक्ट्रिक एसी बसों का शुभारंभ भी किया। सीएम ने कहा-यह पर्यावरण हितैषी बसें शहर की यातायात व्यवस्था को नई दिशा देंगी तथा आम नागरिकों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराएंगी।

180 किलोमीटर प्रतिदिन चलेगी

50 इलेक्ट्रिक AC बस सिंगल चार्ज एवं अपॉरच्युनिटी चार्ज के साथ 180 किलोमीटर प्रतिदिन चलेगी। एक इलेक्ट्रिक बस की कीमत 1.2 करोड़ रुपए है। बसों की कुल लागत 60 करोड़ रुपए है। यह बस नेट कास्ट मॉडल पर संचालित की जाएगी। सरकार द्वारा 40 प्रतिशत AMRUT के अंतर्गत वीजीएफ दिया जाएगा एवं ऑपरेशन कॉस्ट शून्य रहेगी जिससे सरकार को वित्तीय रूप से लाभ पहुंचेगा।

थाना बनखेडी पुलिस द्वारा भारी मात्रा में अंग्रेजी एवं देशी अवैध शराब जप्त

बनखेड़ी ■ निसं

पिपरिया,पुलिस अधीक्षक डॉ. गुरकरन सिंह (IPS), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशुतोष मिश्र के निर्देश पर अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने हेतु SDOP पिपरिया मोहित कुमार यादव के द्वारा थाना प्रभारी बनखेड़ी विजय सनस के नेतृत्व में टीम गठित कर अवैध शराब पर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया था।

आरोपी रामकृष्ण रघुवंशी पिता निर्भय रघुवंशी उम्र 21 साल निवासी ग्राम रहटवाड़ा बनखेड़ी से मौके पर कुल 07 पेटी देशी व अंग्रेजी अवैध शराब करीब 61 बल्क लीटर शराब व एक मोटर साइकिल जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी।

महत्वपूर्ण भूमिका- थाना प्रभारी बनखेडी निरीक्षक विजय सनस, उपनिरीक्षक मनमोहन सिंह ठाकुर, सउनि चंद्रकांत परते, आर 760 नीलेश कौरव, आरक्षक 468 प्रथम साहू की सराहनीय भूमिका रही।

ग्वालियर के लालियापुरा में जलभराव

अलापुर डैम के बैक वाटर से 2 फीट तक पानी भरा, 500 परिवार प्रभावित

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में जारी भारी बारिश से निचली बस्ती लालियापुरा में स्थिति गंभीर हो गई है। यहां तीन से चार फीट तक पानी घरों में भर गया है। शहर में 1380 मिमी बारिश दर्ज की गई है। 82 घरों में रहने वाले 500 से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं। लोगों ने अपना घरेलू सामान टेबलों पर रखा है।

जलभराव के कारण लोग रात भर सो नहीं पाए और बच्चे स्कूल भी नहीं जा सके। घरों की की किचन में बरसात का पानी भर गया है और उसमें खाने पीने का सामान भी पूरी तरह से डूब गया है, हर तरफ घरों के बर्तन पानी में उतारते हुए दिखाई दे रहे हैं। जहां तक देखो वहां तक पानी ही पानी नजर आ रहा था, घरों में भरे पानी के कारण लालियापुरा के रहवासी अपने घरों में ताला लगाकर पूरी रात भर बैठकर आंखें छपकते रहे। स्थानीय निवासियों के अनुसार, अलापुर डैम के गेट बंद होने से उसका बैक वाटर बस्ती तक पहुंच रहा है। लोगों ने कलेक्टर और सीएम हेल्पलाइन पर भी इसकी शिकायत की है। उनका कहना है कि प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी अभी तक मौके पर नहीं पहुंचे हैं। रहवासियों का मानना है कि अलापुर डैम के गेट खोलने से उनके क्षेत्र में भरा पानी निकल जाएगा। प्रशासन से जल्द कार्रवाई करने की मांग की है।

तेज बारिश से स्कूल में फंसे 6 शिक्षक का रेस्क्यू, कई इलाकों में जलभराव

स्कूल शुरू होने के बाद पानी इतना बढ़ा की नाव से निकालना पड़ा, रामघाट के मंदिर डूबे

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन में बीती रात से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण शिप्रा नदी उफान पर आ गई है। नदी के बढ़ते जलस्तर से रामघाट और दत्त अखाड़ा घाट पर स्थित सभी मंदिर जलमग्न हो गए हैं। वहीं, शहर के कई निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बुधवार शाम से उज्जैन और आसपास के क्षेत्रों देवास, इंदौर में रुक-रुक कर तेज बारिश होती रही। बीती रात उज्जैन में 3.36 इंच बारिश दर्ज की गई, जिससे अब तक शहर में कुल 25 इंच बारिश हो चुकी है। इधर उज्जैन के जीवनखेड़ी के एक सरकारी स्कूल में फंसे 6 शिक्षकों का रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। प्लाटून कमांडर शिला चोधरी ने बताया कि सुबह जब बच्चे और शिक्षक स्कूल पहुंचे तो पानी नहीं था लेकिन

10 बजे तक स्कूल के आसपास इतना पानी भर गया कि मोटर बोट से शिक्षकों को रेस्क्यू करना पड़ा। शिक्षक एवं छात्रों के बाद में फंसे होने की सूचना पर 07 सदस्यीय एसडीआरएफ टीम प्रभावित स्थान के लिये रेस्क्यू के लिए तत्काल रवाना हुई। जहां स्कूल के चारो और पानी भरा हुआ था। एसडीईआरएफ टीम ने पानी के अत्यधिक बहाव होने के बाद भी बोट के माध्यम से स्कूल के 06 शिक्षकों को सकुशल सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

कई इलाकों में जलभराव, प्रशासन अलर्ट पर: बारिश के कारण शहर के बहादुरगंज, एटलस चौराहा, केडी गेट, नीलगंगा, इंदौर गेट, दशहरा मैदान सहित कई क्षेत्रों में जलभराव हो गया है। इन क्षेत्रों के रहवासी जलभराव के कारण खासे परेशान नजर आ रहे हैं।

छोटा ब्रिज डूबा, घाटों पर सुरक्षा बढ़ाई गई: शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण उज्जैन-बड़नगर मार्ग स्थित छोटा ब्रिज पूरी तरह से डूब गया है। एहतियात के तौर पर पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है। रामघाट पर नगर निगम, होमगार्ड और एसडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं को घाट से दूर रखा जा रहा है ताकि किसी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।

मुंह से आग उगलने में खुद झुलसे 2 युवक

उज्जैन। उज्जैन में डोल ग्यारस के जुलूस में मुंह में पेट्रोल डालकर आग निकालने के करतब के दौरान दो युवक झुलस गए। दोनों युवक बुरी तरह जल गए हैं, उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बुधवार देर रात डोल यात्रा की है। यात्रा तीन बत्ती चौराहे से शुरू हुई। दो युवक गाड़ी पर चढ़कर आग के गोले का करतब दिखा रहे थे। करीब आधे घंटे बाद यात्रा टावर चौराहे पर पहुंची। यहां करतब दिखा रहे युवराज मरमट ने पेट्रोल मुंह में डालकर आग का गोला निकाला, तभी आग भभक गई। उसके हाथ, छाती और चेहरा झुलस गया। गाड़ी पर खड़ा एक अन्य युवक भी आग की चपेट में आ गया। आग से लिपटे हुए दोनों युवक गाड़ी से कूदे। मेडिकल ऑफिसर डॉ. यश गोस्वामी ने बताया कि एक युवक रात को चरक अस्पताल लाया गया था, जो लगभग 36 प्रतिशत तक झुलस चुका था।

मध्य प्रदेश में डायल-100 की जगह डायल-112 सेवा शुरू

ग्वालियर में 50 नई गाड़ियां थानों को मिलीं, जीपीएस और बॉडीवॉर्न कैमरे से लैस

ग्वालियर ■ निसं

मध्य प्रदेश पुलिस ने आपातकालीन सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए डायल-100 की जगह डायल-112 सेवा शुरू कर दी है। इस सेवा के तहत ग्वालियर जिले को 50 नई गाड़ियां मिली हैं। इन गाड़ियों में स्कॉर्पियो और बोलेरो शामिल हैं। नई गाड़ियां गुरुवार को पुलिस लाइन ग्वालियर से थानों के लिए रवाना किया गया। डीआईजी अमित सांघी, आईजी अरविंद सक्सेना और एसएसपी धर्मवीर सिंह यादव ने गाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अधिकारियों ने गाड़ियों में लगे आधुनिक और मेडिकल उपकरणों का निरीक्षण भी किया। डायल-112 की गाड़ियां

फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल के रूप में काम करेंगी। इनमें जीपीएस, वायरलेस, डिजिटल नेविगेशन और लाइव लोकेशन ट्रैकिंग की सुविधा है। पुलिसकर्मियों को बॉडीवॉर्न कैमरे भी दिए गए हैं। इनसे किसी भी घटना को रिकॉर्ड किया जा सकेगा। नई सेवा से शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ेगी। नागरिक किसी भी आपात स्थिति में तुरंत पुलिस की मदद ले सकेंगे।

गहना चोर बैंककर्मी धर्म बदलकर बना जीशान, पूजा-पाठ छोड़ा

ब्रेनवॉश कर रहे थे दोस्त; मां को 5 करोड़ की चोरी का पता भी नहीं

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन की SBI ब्रांच से 5 करोड़ के जेवर और 8 लाख कैश चोरी की प्लानिंग करने वाला बैंक का आउटसोर्स कर्मचारी जय भावसार उर्फ जीशान ही निकला। उसी ने अपने चार दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया था। अब पुलिस ने मामले में नया खुलासा किया है। जांच में पता चला है कि वारदात में शामिल जय के चार दोस्त पिछले 6 माह से धर्म परिवर्तन के लिए उसका ब्रेनवाश कर रहे थे। इसी के चलते वह यूट्यूब पर धर्म परिवर्तन करने के वीडियो देखता रहता था।

2 सितंबर को महानंदा नगर ब्रांच में हुई 4 किलो 700 ग्राम सोने की चोरी के मामले में पुलिस ने वहीं पर काम करने वाले जय भावसार और उसके साथी अब्दुला, साहिल, अरबाज और कोहिनूर को पकड़ा है।

सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था: पुलिस ने बताया कि चोरी की घटना के बाद सुबह साफ-सफाई के लिए सबसे पहले जय ही बैंक पहुंचा था। उसने ही चोरी की खबर अपने अधिकारियों को दी थी, जिसके बाद पता चला कि बैंक में गिरवी रखा करीब साढ़े चार किलो सोना और 8 लाख रुपए कैश गायब है। घटना को लेकर माधव नगर थाने में एफआइआर दर्ज कराई गई।

जय भावसार उर्फ जीशान

एडीजी उमेश जोगा, डीआईजी नवनीत भसीन और एसपी प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंचे। क्राइम ब्रांच, चार थानों की टीम ने 24 घंटे अंदर चोरी का खुलासा कर दिया।

बीमा न मिलने पर किसान ने फसल पर लोट लगाई

तीन हेक्टेयर फसल खराब, कर्ज को चुकाने की चिंता

सीहोर ■ निसं

सीहोर में बीमा राशि न मिलने पर एक किसान ने अपने खेत में लोट लगाई। इसका वीडियो सामने आया है। फसल के लिए कर्ज लेने की बात बताते हुए उसने फसल बर्बादी के बाद बीमा न मिलने की बात बताई है। मामला ग्राम भैसाव नागिन का है।

किसान प्रेम नारायण की सोयाबीन की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है। तीन हेक्टेयर में लगी फसल अत्यधिक वर्षा, जलभराव, कीटनाशक का प्रभाव और पीला मोजेक बीमारी के कारण बर्बाद हो गई। किसान पर नर्मदा झाबुआ ग्रामीण बैंक का दो लाख रुपए का कर्ज है। सोयाबीन के बीज की खरीद के लिए भी उन्होंने कर्ज लिया था। न तो फसल बीमा की राशि मिली और न ही किसी अधिकारी ने फसल का

सर्वे किया।

पिछले पांच वर्षों से लगातार फसल खराब होने से किसान निराश हो चुका है। बच्चों के भरण-पोषण की चिंता से वह परेशान हैं। खेत में अपनी बर्बाद फसल देखकर किसान का रो पड़ना और उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। समाजसेवी एमएस मेवाड़ा ने सरकार और बीमा कंपनियों से किसानों की तत्काल सहायता की मांग की है। सीहोर जिले और आसपास के क्षेत्रों में कई किसान इसी तरह की समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

इछावर जनपद कार्यालय में सरपंचों एवं पंचायत सचिवों की बैठक आयोजित

सरपंच और पंचायत सचिव गांव की रीढ़ है, उनकी सक्रियता से ही विकास कार्य धरातल पर उतरते हैं - राजस्व मंत्री

सीहोर ■ निसं

ग्रामीण विकास कार्यों की सुचारू प्रगति और पंचायतों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा की अध्यक्षता में इछावर जनपद पंचायत कार्यालय में सरपंच, पंचायत सचिव और जनपद पंचायत अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंत्री श्री वर्मा ने पंचायतों में चल रही योजनाओं की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि सरपंच और पंचायत सचिव गांव की रीढ़ हैं। उनकी सक्रियता और संवेदनशीलता से ही विकास कार्य धरातल पर उतरते

हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है। हम सभी को अपने गांव, जिले, प्रदेश और देश के विकास के लिए अपनी जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता से पहुंचे। किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में उन्होंने ने ग्रामीण क्षेत्र के सभी पात्र नागरिकों को आयुष्मान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन और अन्य ग्रामीण योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने सरपंचों और सचिवों से कहा कि सभी योजनाओं का लाभ सभी पात्र व्यक्तियों तक पहुँचे और ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने पंचायत स्तर पर होने वाले निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढ़ंग से समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी गांवों को पक्की सड़को से जोड़ा जाएगा।

उन्होंने कहा कि जिले के 11 अस्पतालों को आयुष्मान योजना के तहत इंपेनल किया गया है, अब जिला कोई भी गरीब व्यक्ति बिना इलाज के नही रहेगा। इस दौरान सीएमएचओ श्री सुधीर डेहरिया ने आयुष्मान योजना के बारे में विस्तार से जानकारी। उन्होंने यह भी बताया कि अब नागरिक वॉट्सएप चैटबॉट के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग की किसी भी योजना की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

बैठक में राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने सभी को आश्वस्त किया कि पंचायतों को मजबूत बनाने और संसाधन उपलब्ध कराने में सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि सभी सरपंच, सचिव एवं अधिकारी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाएँ, ताकि गांवों को विकास की नई दिशा मिल सके। बैठक के पश्चात उन्होंने आम नागरिकों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनी और निराकरण के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

नेशनल लोक अदालत में आपसी सुलह के आधार पर होगा प्रकरणों का निराकरण

खंडवा ■ निसं

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा म0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर निर्देश अनुसार आगामी 13 सितम्बर शनिवार को न्यायालय में लंबित राजीनामा योगय प्रकरणों एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के उद्देश्य से प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष महोदया श्रीमती ममता जैन, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, खंडवा के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय खंडवा और हरसूद व पुनासा की न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडवा के सचिव श्री पीयूष भावे ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य आपराधिक प्रकरण, सिविल प्रकरण, धारा 138 एन.आई.एक्ट प्रकरण, मोटर दुर्घटना दावा प्रकरण, पारिवारिक प्रकरण, भू-अर्जन के प्रकरण, समझौता योग्य श्रम प्रकरण, विद्युत चोरी के प्रकरण का निराकरण आपसी सहमति के आधार पर किया जायेगा तथा विद्युत विभाग, बैंक, नगर पालिक, बीएसएनएल आदि के पूर्व वाद प्रकरणों का निराकरण लोक अदालत के माध्यम से किया जायेगा।

अनमोल वचन

जब तक तुम स्वयं पर विश्वाश नहीं करते, परमात्मा में विश्वास कर ही नहीं सकते
विवेकानंद

यदि हम समाधान का हिस्सा नहीं हैं तो इसका मतलब यही है की हम खुद समस्या हैं
कहावत

सम्पादकीय

जीएसटी के 2 स्लैब, गरीब एवं मध्यम वर्ग को राहत?

जीएसटी परिषद के हालिया फैसले ने आम जनता को बड़ी राहत दी है, यह प्रचारित हो रहा है। अब तक अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं पर जीएसटी की दरें 5 प्रतिशत से लेकर 28 प्रतिशत तक फैली हुई थीं, जिससे उपभोक्ता और व्यापारी दोनों ही भ्रमित रहते थे। परिषद ने टैक्स ढांचे को सरल बनाने का दावा करते हुए केवल दो स्लैब 05 और 18 प्रतिशत रखने का निर्णय लिया है। कुछ उत्पाद 40 फीसदी जिसमें शराब, लग्जरी सामान और तंबाकू के उत्पाद शामिल कर तीसरी श्रेणी बनाई जा रही है। सरकार दावा कर रही है कि इस बदलाव से 48000 करोड़ सालाना का नुकसान होगा जो प्रतिमाह लगभग 4000 करोड़ रुपया बैठता है। इसी के साथ ही सरकार दावा कर रही है, कि इस कदम से कर प्रणाली को पारदर्शी बनाया जायेगा। गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी। सरकार का दावा है इससे बड़ा फायदा रोजमर्रा की वस्तुओं और खाने-पीने की चीजों पर जीएसटी दर में कमी के कारण सामने आएगा। आवश्यक वस्तुएं सस्ती होंगी, सीधे तौर पर गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों का मासिक बजट संतुलित होगा। अगले 4 महीने त्योहारों के मौसम के हैं। जीएसटी में राहत उपभोक्ताओं के उत्साह को बढ़ाएगी। बाजार में रौनक आएगी। बाजार में मांग और आपूर्ति को मजबूती मिलेगी। सरकार ने स्वास्थ्य और जीवन बीमा सेवाओं पर जीएसटी खत्म करने का निर्णय लिया है, जो अत्यंत सराहनीय कदम है। मध्यम वर्ग लंबे समय से इस बोझ से परेशान था। अब बीमा प्रीमियम सस्ते होंगे, अधिक लोग स्वास्थ्य और जीवन बीमा लेने के लिए प्रोत्साहित होंगे। इससे सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा और देश में वित्तीय सुरक्षा मजबूत होगी। उद्योग जगत की दृष्टि से देखें, तो कम स्लैब का अर्थ है, आसान टैक्स के अनुपालन से व्यापारी और छोटे कारोबारियों को राहत मिलेगी। जटिल दरों और तकनीकी खामियों के कारण वह परेशान होते थे। दो स्लैब की व्यवस्था से कर चोरी घटेगी, सरकार को राजस्व संग्रहण अधिक पारदर्शी तरीके से मिलेगा। हालांकि जीएसटी की चुनौतियां नए रूप मे सामने आएंगी। उच्च कर स्लैब में आने वाली वस्तुओं पर कर बोझ बढ़ने से जो राहत बताई जा रही है, वह एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी संभावना के रूप में देखा जा रहा है। विलासिता से संबंधित उत्पाद एवं सेवाओं को 28 प्रतिशत के स्थान पर 40 .फ़ीसदी जीएसटी देनी होगी। इस प्रकार उपभोक्ताओं को जो राहत दी गई है उसे विलासिता के नाम पर सरकार वापस ले लेगी। इसमें सरकार को वाहवाही भी मिलेगी। इस श्रेणी के लोग अपेक्षाकृत सक्षम होते हैं। समाज के कमजोर वर्गों की राहत का यह बोझ मध्यम वर्ग पर डाला जाएगा। सरकार ने जो अनुमान लगाया है कि उसे 4000 करोड़ मासिक का नुकसान होगा, जीएसटी के रूप में सरकार 180000 करोड़ से लेकर 190000 करोड़ तक हर माह वसूल कर रही है। इससे स्पष्ट है, कि जीएसटी से आम आदमी को कोई विशेष राहत मिलने वाली नहीं है। अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव की बात करें, तो इस कदम से कुछ उत्पादों की मांग बाजार में बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी। उच्च कर स्लैब में आने वाली वस्तुओं पर कर बोझ बढ़ने से जो राहत बताई जा रही है, वह एक जेब से पैसा निकाल कर दूसरे जेब में डालने जैसी संभावना के रूप में देखा जा रहा है। विलासिता से संबंधित उत्पाद एवं सेवाओं को 28 प्रतिशत के स्थान पर 40 .फ़ीसदी जीएसटी देनी होगी। इस प्रकार उपभोक्ताओं को जो राहत दी गई है उसे विलासिता के नाम पर सरकार वापस ले लेगी।रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। सरल टैक्स प्रणाली विदेशी निवेशकों को भारत में आने के लिए भी आकर्षित करेंगे। कुल मिलाकर, जीएसटी में दो स्लैब का फैसला एक दूरगामी सुधार का रास्ता तैयार कर रहा है। इस तरह की सोच से गरीब और मध्यम वर्ग को राहत मिलेगी, वहीं टैक्स प्रणाली को सरल और प्रभावी बनाने में यह एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित हो सकता है। यह कदम सबका साथ, सबका विकास की दिशा में सरकार का यह ठोस प्रयास करने का दावा सरकार द्वारा किया जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों मे ले जाने में मदद मिलेगी। सरकार जीएसटी की दरों में कमी करने का जो दावा कर रही है। महंगाई कम होने की बात कर रही है। इसमें आम उपभोक्ता को राहत मिलेगी, ऐसा लगता नहीं है। सरकार जिस नुक्सान की बात कर रही, यह उतार चढ़ाव अभी भी होता है। सही बात यह है, जीएसटी से सरकार का राजस्व निरंतर बढ़ रहा है। सरकार ने दो स्लैब खत्म किए हैं, किंतु जीएसटी में विलासता के नाम पर 40 .फ़ीसदी टेक्स के दायरे में जिन वस्तुओं को शामिल किया जा रहा है उससे मध्यम वर्ग को कोई राहत मिलेगी, ऐसा होता दिख नहीं रहा है। सरकार के इस प्रयास को मार्केटिंग के रूप में जरूर देखा जा सकता है। जिसमें गरीबों और मध्यम वर्ग को सरकार यह संदेश देने में सफल रही है, जीएसटी में सरकार उसे बहुत फायदा पहुंचाने जा रही है। इस बदलाव से निश्चित रूप से सरकार की छवि बेहतर बनेगी। उपभोक्ताओं को क्या लाभ होगा, इसका पता तो कुछ समय के बाद ही चलेगा।

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

पीएम विकसित भारत रोज़गार योजना देगी युवा शक्ति के सपनों को नई उड़ान

डॉ. मनसुख मांडविया
लेखक केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हैं

भारत की विकास गाथा हमेशा से उसकी श्रम शक्ति द्वारा लिखी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को गति देने में करोड़ों श्रमिकों के समर्पण और क्षमता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पिछले 11 वर्षों में भारत की आर्थिक प्रगति ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2014 में, भारत विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से आगे बढ़ते हुए आज चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। भारत ने वैश्विक पटल पर अपने लिए एक उल्लेखनीय स्थान बनाया है और इसमें इसके मानव संसाधन की शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इस सफलता की कहानी को बल देने वाला तथ्य यह है कि भारत के आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आरबीआई-केएलईएमएस के अनुसार, जहां 2004-2014 के बीच केवल 2.9 करोड़ रोजगार सृजित हुए थे, उसके बाद के दशक में 17 करोड़ से अधिक रोजगार सृजित हुए। औपचारिकीकरण में भी तेजी आई है, ईपीएफओ के आंकड़ों के अनुसार पिछले सात वर्षों में लगभग आठ करोड़ नौकरियां सृजित हुई हैं।

भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज में बढ़तोरी होना भी हमारी एक बड़ी उपलब्धि है। 2015 में, केवल 19 प्रतिशत भारतीय कम से कम एक सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत आते थे। 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 64.3 प्रतिशत हो चुकी है और 94 करोड़ लाभार्थी इसके दायरे में आए हैं, जिससे भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा कवरेज देने वाला देश बन गया है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने इस उपलब्धि को वैश्विक स्तर पर कवरेज के सबसे तेज विस्तार में से एक माना है। यह स्पष्ट है कि राष्ट्र का भविष्य न केवल जीडीपी वृद्धि की गति से, बल्कि हमारे द्वारा सृजित नौकरियों की गुणवत्ता, श्रमिकों को दी जाने वाली सुरक्षा और अपने युवाओं को प्रदान किए जाने वाले अवसरों से भी तय होगा। बढ़ते स्वचालन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से कारण बनी अनिश्चितता की स्थिति, आपूर्ति-श्रृंखला में बदलाव और दुनिया भर में नौकरियों को आकार देने वाली कई अन्य कमजोरियों की वैश्विक पृष्ठभूमि में, भारत एक जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बिंदु पर खड़ा है। हमारी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जो एक महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय लाभांश है जो हमारी अर्थव्यवस्था को गति दे देता है, जबकि पश्चिमी देशों में आबादी वृद्ध होती हो रही है। वर्षों से, भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश यानी इसकी युवा शक्ति को इसकी सबसे बड़ी ताकत माना जाता रहा है। फिर भी, पिछली सरकारों के अधीन, इस क्षमता का पूरा उपयोग नहीं किया गया। अमृत काल में, जब हम 2047 तक एक विकसित भारत के विजन की दिशा में प्रयास कर रहे हैं, हमारे सामने कार्य स्पष्ट है- हमें संभावना से समृद्धि की ओर बढ़ना होगा।

इस पृष्ठभूमि में, रोजगार अब केवल एक आर्थिक संकेतक नहीं रह गया है; यह सम्मान, समानता और राष्ट्रीय शक्ति का आधार है। इसके लिए आवश्यक है कि हम अपने युवाओं को रोजगार योग्य बनाएं, उन्हें औपचारिक अर्थव्यवस्था में एकीकृत करें, उन्हें वित्तीय साक्षरता से लैस करें और यह सुनिश्चित करें कि वे एक मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रणाली द्वारा सुरक्षित हों। तभी हमारा जनसांख्यिकीय लाभ वास्तव में एक स्थायी राष्ट्रीय लाभांश में परिवर्तित हो सकता है।

इसी चुनौती का समाधान करने और आकांक्षा व अवसर के बीच के अंतर को पाटने के लिए, 15 अगस्त को लाल क़िले की प्राचीर से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना शुरू करने की घोषणा की है। शुरुआत में केंद्रीय बजट 2024-25 में प्रस्तुत और प्रधानमंत्री जी के अपने 12वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में घोषित यह योजना पैमाने और डिजाइन, दोनों ही दृष्टि से एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है। 1 लाख करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ, यह भारत के इतिहास का सबसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिससे 3.5 करोड़ से ज़्यादा रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से दो करोड़ लाभार्थी पहली बार नौकरी पाने वाले होंगे।

योजना के दो स्तंभ- पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहन और नियोक्ताओं को सहायता प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना को इसकी संरचना ही अलग बनाती है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने वाले पहले के कार्यक्रमों के विपरीत, यह योजना युवाओं की रोजगार क्षमता और उद्यम प्रतिस्पर्धात्मकता की दोहरी चुनौती का एक साथ समाधान करती है। भाग 'ए' के तहत पहली बार नौकरी करने वाले कर्मचारियों (दो किश्तों में 15,000 रुपए तक) और भाग 'बी' के तहत नियोक्ताओं (प्रत्येक नए कर्मचारी के लिए प्रति माह 3,000 रुपए तक) को प्रत्यक्ष वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करके, यह श्रमिकों के लिए प्रवेश बाधाओं को कम करता है और साथ ही व्यवसायों के लिए नियुक्ति जोखिम को भी कम करता है।

इस योजना का औपचारिकीकरण और सामाजिक सुरक्षा एकीकरण की दिशा में प्रोत्साहन भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से प्रदान किए जाएंगे, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नए कर्मचारियों को पहले दिन से ही सामाजिक सुरक्षा प्रणालियों से जोड़ा जा सकेगा। इस प्रकार, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, एक औपचारिक, सुरक्षित और उत्पादक श्रम बाजार की ओर एक संरचनात्मक कदम है। इसके अलावा, विनिर्माण क्षेत्र में नियोक्ताओं को प्रोत्साहन पर अतिरिक्त ध्यान, भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और प्रयास है।

समावेशी और सतत विकास को गति देना: प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना, योजना-आधारित पहलों से हटकर एक व्यापक रोजगार प्रणाली की ओर बदलाव का संकेत देती है। यह पूर्व की पहलों से मिली सीख पर आधारित है, उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई), राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन और मेक इन इंडिया जैसी वर्तमान योजनाओं का पूरक है और प्रतिस्पर्धी वैश्विक व्यवस्था में काम की बदलती प्रकृति को पहचानती है।

श्रमिकों और नियोक्ताओं, दोनों को प्रोत्साहन देकर, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना यह मान्यता देती है कि रोजगार सृजन एक साझा जिम्मेदारी है। भारत डिजिटल नवाचार को अपनाते हुए एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने का प्रयास कर रहा है, इसलिए यह योजना सुनिश्चित करती है कि कोई भी पीछे न छूटे - यहां तक कि सबसे छोटा उद्यम और कार्यबल में शामिल होने वाला सबसे नया व्यक्ति भी राष्ट्रीय विकास की यात्रा में भागीदार बने।

प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना- नए भारत की नींव: प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना एक नीतिगत घोषणा से कहीं अधिक बढ़कर है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश को सार्वजनिक समृद्धि में बदलने की दिशा में एक ठोस कदम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, यह पहल विकसित भारत के विजन को साकार करने की नींव का हिस्सा है, जहां हर युवा को सार्थक रोजगार मिले, हर काम में सम्मान हो और हर युवा को अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिले।

रोजगार निर्माण सही मायने में राष्ट्र निर्माण है। इस पहल के साथ, मोदी सरकार अपनी इस प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है कि कोई भी आकांक्षा अधूरी नहीं रहेगी और कोई भी युवा अवसर से वंचित नहीं रहेगा। हम सब मिलकर भारत की युवा शक्ति को नई उड़ान दे रहे हैं और उनके माध्यम से, विकसित भारत के सपने को भी नई गति प्रदान कर रहे हैं।

किताबों से स्क्रीन तक: बदलते समय में गुरु का असली अर्थ

डॉ. प्रियंका सौरभ

शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की आत्मा को समझने का दिन है। जब भी हम गुरु या शिक्षक का नाम लेते हैं तो हमारे मन में एक ऐसा व्यक्तित्व उभरता है, जो केवल पढ़ाने वाला नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाला होता है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक को 'आचार्य' कहा गया है, जिसका अर्थ है आचरण से शिक्षा देने वाला। इसी दृष्टि से देखा जाए तो आज के दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

डिजिटल युग में शिक्षा का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। किताब से लेकर स्क्रीन तक की यह यात्रा ज्ञान तो दे रही है, लेकिन संस्कार और मानवीय मूल्य पीछे छूटते जा रहे हैं। ऐसे समय में शिक्षक का महत्व और भी बढ़ जाता है। शिक्षक ही वह पुल हैं जो बच्चों को वर्तमान से जोड़कर सुरक्षित भविष्य तक पहुँचाते हैं। मशीनें जानकारी दे सकती हैं, परंतु संवेदनशीलता और चरित्र निर्माण केवल गुरु ही कर सकता है। इस शिक्षक दिवस पर संकल्प यही हो कि तकनीक की दौड़ में संस्कारों की नदियाँ कभी सूखने न पाएं। शिक्षक दिवस केवल एक औपचारिक अवसर नहीं है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र की आत्मा को समझने का दिन है। जब भी हम गुरु या शिक्षक का नाम लेते हैं तो हमारे मन में एक ऐसा व्यक्तित्व उभरता है, जो केवल पढ़ाने वाला नहीं बल्कि जीवन को दिशा देने वाला होता है। भारतीय संस्कृति में शिक्षक को 'आचार्य' कहा गया है, जिसका अर्थ है आचरण से शिक्षा देने वाला। इसी दृष्टि से देखा जाए तो आज के दौर में शिक्षकों की जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि यह वह समय है जब तकनीक और स्क्रीन बच्चों की सोच और संवेदनाओं को प्रभावित कर रही है।

आज से कुछ दशक पहले शिक्षा का स्वरूप केवल पुस्तकों, कक्षा और संवाद तक सीमित था। विद्यार्थी शिक्षक की बातों को ध्यानपूर्वक सुनते थे और वही बातें उनके जीवन का आधार बनती थीं। लेकिन डिजिटल क्रांति ने इस परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव ने विद्यार्थियों के लिए अनगिनत अवसर तो खोले हैं, परंतु इसके साथ ही कई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। जानकारी का महासागर अब हर बच्चे की उंगलियों पर उपलब्ध है, परंतु उसी महासागर में गलत जानकारी, भ्रामक सामग्री और असीमित मनोरंजन का जाल भी बिछा है। ऐसे में प्रश्न यह उठता है कि इस विशाल और असंतुलित सूचना-संसार में बच्चों को सही मार्ग कौन दिखाएगा? इसका उत्तर है - शिक्षक।

शिक्षक की भूमिका अब केवल पाठ्यपुस्तक तक सीमित नहीं रह गई है। वह एक मार्गदर्शक, मूल्यनिर्माता और व्यक्तित्व निर्माता है। जब बच्चा मोबाइल पर स्क्रीन की दुनिया में खोया रहता है, तब शिक्षक का दायित्व है कि वह उसे वास्तविक जीवन की चुनौतियों से परिचित कराए। शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री पाना या नौकरी करना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी होना चाहिए कि बच्चा समाज का जिम्मेदार नागरिक बने, उसमें करुणा, संवेदनशीलता और विवेक विकसित हो।

शिक्षक ही वह कड़ी है जो घर और समाज के बीच संतुलन कायम करता है। घर बच्चे को प्यार और संस्कार देता है, लेकिन उन्हें स्थायी बनाने का काम शिक्षक करता है। एक शिक्षक अपने विद्यार्थियों को केवल गणित या विज्ञान नहीं पढ़ाता, बल्कि यह भी सिखाता है कि कठिनाइयों का सामना कैसे करना है, असफलताओं से कैसे सीखना है और जीवन में ईमानदारी तथा सत्य का महत्व क्या है।

आज की शिक्षा प्रणाली पर विचार करें तो हम पाते हैं कि इसमें प्रतिस्पर्धा और अंकों की दौड़ हावी हो गई है। बच्चे अधिक अंक लाने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं, अभिभावक भी उन्हें उसी दिशा में धकेलते हैं, लेकिन इस प्रक्रिया में मानवीय मूल्यों की नींव कमजोर हो रही है। यही कारण है कि समाज में आत्मकेंद्रित प्रवृत्तियाँ, नैतिक पतन और संवेदनहीनता बढ़ रही है। इस कमी को दूर करने वाला कोई है तो वह शिक्षक ही है। शिक्षक यदि चाहे तो बच्चों में सहयोग, सेवा, सहानुभूति और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित कर सकता है।

स्क्रीन का प्रभाव इतना गहरा हो गया है कि बच्चे वास्तविक संवाद से दूर होते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वे हजारों मित्र बना लेते हैं, लेकिन वास्तविक जीवन में अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। इस स्थिति से बाहर निकालने का काम केवल शिक्षक कर सकता है। कक्षा में जब शिक्षक बच्चों से संवाद करता है, तो वह केवल पढ़ाने का कार्य नहीं करता, बल्कि बच्चों की भावनाओं को भी छूता है। एक सच्चा शिक्षक वही है जो विद्यार्थियों को यह महसूस कराए कि वे महत्वपूर्ण हैं, उनकी समस्याएँ सुनी जाती हैं और उनका मार्गदर्शन किया जाएगा।

शिक्षक का महत्व केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं है। राष्ट्रनिर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत निर्णायक होती है। यह कहावत बार-बार दोहराई जाती है कि किसी देश का भविष्य उसके कक्षाओं में गढ़ा जाता है। यह कथन केवल आदर्श नहीं है, बल्कि कठोर सत्य है। यदि कक्षाओं में अच्छे शिक्षक होंगे, जो बच्चों को नैतिकता, ज्ञान और आत्मविश्वास से भरेंगे, तो वही बच्चे आगे चलकर अच्छे नागरिक, नेता, वैज्ञानिक और प्रशासक बनेंगे। लेकिन यदि शिक्षक केवल परीक्षा पास कराने तक सीमित रह गया, तो समाज का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा।

आज आवश्यकता है कि शिक्षक स्वयं को भी समयानुकूल बनाएं। तकनीक से भागना समाधान नहीं है, बल्कि उसे सकारात्मक ढंग से अपनाना जरूरी है। शिक्षक यदि चाहे तो स्क्रीन और डिजिटल माध्यमों को शिक्षा के सहयोगी बना सकता है। ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, शैक्षिक वीडियो, वर्चुअल प्रयोगशालाएँ और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी तकनीकें बच्चों की जिज्ञासा को बढ़ा सकती हैं। लेकिन इन सबके बीच मानवीय संवाद की जगह कोई नहीं ले सकता।

जीएसटी 2.0: भारतीय अर्थव्यवस्था और आमजन पर दूरगामी असर

के.के. झा

जीएसटी परिषद का हालिया निर्णय भारतीय कर ढांचे में एक ऐतिहासिक सुधार है। परिषद ने 12 और 28 प्रतिशत वाले स्लैब को खत्म कर केवल दो मुख्य दरें - 5 और 18 प्रतिशत - लागू करने का फैसला किया है। वहीं, लग्जरी और 'सिन गुड्स' पर 40 प्रतिशत का विशेष स्लैब रहेगा। यह नई व्यवस्था 22 सितंबर से लागू होगी और इसका असर उपभोक्ताओं से लेकर उद्योग जगत और सरकार के राजस्व तक हर स्तर पर महसूस होगा। सबसे सीधा फायदा उपभोक्ताओं को मिलेगा, खासकर देश के मध्य वर्ग को, जिसकी आबादी करीब 35-40 करोड़ है और जो कुल खपत का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा रखता है। रोजमर्रा की वस्तुएं जैसे कपड़े, जूते, साबुन, शैम्पू और साइकिल अब सस्ते होंगे। पनीर, रोटी और पराठा जैसी खाने-पीने की चीजें शून्य कर श्रेणी में आ चुकी हैं। स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर कर खत्म कर दिया गया है, जबकि जीवन रक्षक दवाएं भी अब टैक्स से मुक्त होंगी। इससे न केवल मासिक बजट हल्का होगा बल्कि बीमा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी। यह बदलाव ऐसे समय आया है जब भारत में जीवन बीमा कवरेज अभी भी महज 4 प्रतिशत आबादी तक सीमित है। उद्योग जगत के लिए यह सुधार नई संभावनाएं खोलता है। वस्त्र उद्योग, जो 4.5 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है और निर्यात में 11 प्रतिशत योगदान करता है, घटे कर से प्रतिस्पर्धात्मक बनेगा। नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सौर पैनल और उपकरण सस्ते होने से हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। ऑटोमोबाइल सेक्टर, जो भारत के जीडीपी में 7 प्रतिशत और कुल विनिर्माण में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, छोटे वाहनों पर टैक्स में कमी से डिमांड में इजाफा देखेगा। इन तीनों क्षेत्रों में रोजगार और उत्पादन की नई लहर उठ सकती है। सरकार का यह कदम वैश्विक परिदृश्य में भी रणनीतिक महत्व रखता है। अमेरिका ने हाल ही में भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का निर्णय लिया है। इससे निर्यात दबाव में आ सकता है। ऐसे समय में घरेलू मांग को मजबूत करना और आंतरिक खपत को प्रोत्साहित करना भारत की सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकता है। यही वजह है कि जीएसटी सुधार को केवल कर ढांचे का सरलीकरण नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था को वैश्विक दबाव से सुरक्षित करने की कोशिश भी माना जा रहा है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि टैक्स दरों में कमी से शुरुआत में राजस्व पर दबाव पड़ सकता है, लेकिन खपत बढ़ने और कर अनुपालन सरल होने से यह घाटा लंबे समय में संतुलित हो जाएगा। कर चोरी की गुंजाइश घटेगी और टैक्स कलेक्शन स्थिर होगा। उद्योग संगठनों का आकलन है कि यह बदलाव कारोबारी माहौल को पारदर्शी बनाएगा जीएसटी सुधार का सामाजिक पहलू भी उल्लेखनीय है। स्वास्थ्य और बीमा को करमुक्त करना एक ऐसी नीति है जो आम नागरिक की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करती है। इससे समाज में आर्थिक असमानता घटेगी और अधिक से अधिक लोग बुनियादी सेवाओं से जुड़ पाएंगे। कुल मिलाकर, जीएसटी स्लैब में यह बदलाव तीन स्तरों पर असर डालेगा - आम उपभोक्ता को राहत, उद्योगों को अवसर और सरकार को स्थायी राजस्व। यह केवल टैक्स स्लैब का सरलीकरण नहीं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय है, जो भारत की आर्थिक यात्रा को नई ऊर्जा और स्थायित्व प्रदान करेगा।

(लेखक इंदौर के वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खास बात

मोदी की चीन यात्रा में नहीं दिखे विदेश मंत्री जयशंकर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन की यात्रा पर थे। इस बार उनके साथ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोमल उनके बाजू में बैठे हुए थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर की गैर मौजूदगी सभी को खल रही थी। माना जा रहा है, वह मुकेश अंबानी के पक्ष में अमेरिका में लाबिंग कर रहे थे। जिसके कारण प्रधानमंत्री उन्हें अपने साथ चीन नहीं ले गए। यदि एस जयशंकर चीन साथ जाते, तो रायता बिखर सकता था। लगे हाथ प्रधानमंत्री मोदी ने चीन के राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता दे दिया। रिश्ते बेहतर बनाने के लिए जो भी कीमत चुकानी पड़ेगी। लगता है, भारत कीमत चुकाने के लिए तैयार हो गया है।

हे भगवान, उत्तराखंड पर कृपा करो

उत्तराखंड देवभूमि है। पिछले कई महीनो से उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश में एक के बाद एक प्रलय आ रही है। लोगों को लग रहा है, भगवान भोलेनाथ नाराज हो गए हैं। जब नेता अपने आप को भगवान मानने लगें, ऐसी स्थिति में भगवान का नाराज होना स्वाभाविक है। भगवान ने अपनी ताकत दिखाई, उसके बाद सभी त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहे हैं। नेताओं का धार्मिक पर्यटन स्थल बनाने का अहंकार भगवान को रास नहीं आया। नेताओं के अहंकार से भक्त और आम जनता पिस रही है। हिमालय में जिस तरह का तांडव नेताओं ने विकास के नाम पर मचाया है। नाराज भगवान भोलेनाथ का तांडव नृत्य शुरू हो गया है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए जम्मू, उत्तराखंड, हिमाचल, के लोग कहने लगे हैं। अपराध नेताओं ने किया, जनता को सजा भुगतान पड़ रही है।

प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा और बुलेट ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान यात्रा में एडवांस बुलेट ट्रेन देखने के लिए गए। बुलेट ट्रेन को लेकर जापान और भारत के बीच में पहिले जो अनुबंध हुआ था। उसके अनुसार भारत में अभी बुलेट ट्रेन चलने की संभावनाएं दूर-दूर तक नहीं है। इसके बाद भी मोदी जापान की नई एडवांस बुलेट ट्रेन ई-ट्रेन को देखने पहुंचे। दोनों नेताओं ने एडवांस बुलेट ट्रेन में सफर भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के जो ट्रेन ड्राइवर ट्रेनिंग लेने के लिए जापान गए हैं, उनसे बातचीत की। लगता है, जल्द ही बुलेट ट्रेन भारत में आ जाएगी।

गृहमंत्री अमित शाह का मुंबई दौरा चर्चाओं में

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह विभिन्न गणेश उत्सव में भाग लेने के लिए मुंबई पहुंचे। उन्होंने कई पंडालों मे पहुंचकर चमत्कारी गणपति बप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद मांगा है। अमित शाह ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से गोपनीय चर्चा अलग से की। इसे उपराष्ट्रपति पद के चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव और नितिन गडकरी की नाराजी को लेकर महाराष्ट्र में भाजपा के अंदर जो विद्रोह देखने को मिल रहा है। उससे भी यह यात्रा जोड़कर देखी जा रही है। मराठा नेता मनोज जारंगे आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठे हैं। अमित शाह उनसे मिलने के लिए नहीं पहुंचे। इससे मराठा आंदोलनकारी भड़क गए हैं। भाजपा के अंदर महाराष्ट्र से बगावत की जो आग सुलग रही है। उसकी आंच गृहमंत्री तक पहुंच गई है। इस आग को वह कैसे ठंडा करते हैं। इसे समय ही बताएगा।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, त्रियोदशी, शुक्रवासरे, श्रवण नक्षत्रे, शोभन योगे, कौलवकरणे, मकर की चंद्रमा, प्रदोष व्रत, सर्वार्थ सिद्धयोग 45/16 जातकर्म, नामाकरण, अन्नप्रासन्न व्यापार तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उत्तमवृत्ति वाला, योगी-भोगी, सेना नायक, कमाण्डर, बिग्रेडियर होगा।

मेष राशि- मानसिक खिन्नता, कार्य विफलत्व, असमंजस की स्थिति, बड़े लोगों से मेल-मिलाप होगा।

वृष राशि- व्यवसायिक गति अनुकूलता से संतोष होगा, अर्थ-व्यवस्था अनुकूल होगी, रुके कार्य बन जायेंगे।

मिथुन राशि- कार्य-कुशलता से संतोष होगा, चिन्ता कम होगी, कार्य का ध्यान अवश्य रखें।

कर्क राशि- अधिकारी-वर्ग से विशेष सुख-सफलता मिलेगी, रुके कार्य मिलकर बना लें।

सिंह राशि- अनायास परिश्रम विफल होगा, विशेष कार्य स्थिगित रखें, व्यवस्था उत्तम बनी रहेगी।

कन्या राशि- सामाजिक कार्यों में प्रभुत्व-प्रतिष्ठा वृद्धि, दृढ़ता से कार्य निपटा लें, समय का ध्यान अवश्य रखें।

तुला राशि- दुर्घटना का शिकार होने से बचिये, भाग्य का सितारा साथ देगा, रुके कार्य बन जायेंगे।

वृश्चिक राशि- असमर्थता का वातावरण क्लेशयुक्त रहेगा तथा मानसिक बेचैनी अवश्य बढ़ेगी।

धनु राशि- अधिकारी से विशेष सुख, लाभ एवं सफलता मिले, रुके कार्य बना ही सहयोग से बना लें।

मकर राशि- धन का व्यय, असमर्थता का वातावरण बना ही रहेगा, कार्य-व्यवसाय का ध्यान अवश्य रखें।

कुंभ राशि- स्थिति यथावत् रहेगी, प्रयत्न जारी रखने से परिणाम अच्छा लाभकारी होगा, समय का ध्यान रखें।

मीन राशि- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य-कुशलता से संतोष होगा तथा रुके कार्य एक-एक करके बनेंगे।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

5 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

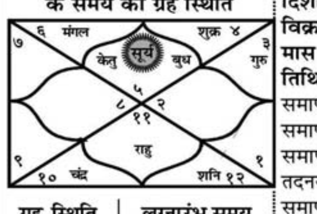

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.37 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	08.48 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.03 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.24 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.10 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.43 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.14 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.54 बजे से
राहुकाल		मिथुन	23.52 बजे से
10.30 से		कर्क	02.05 बजे से
12.00 बजे तक		सिंह	04.21 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 248 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 03.14 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 23.39 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 13.53 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 15.46 बजे तदनन्तर तैतिल 03.14 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 12.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 06° 48' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872458 **जूलियन दिन** 2460923.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 12 **विशेष** प्रदोष व्रत, ओणम, शिक्षक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

हनुवंतिया को कहते है मध्य प्रदेश का मिनी गोवा

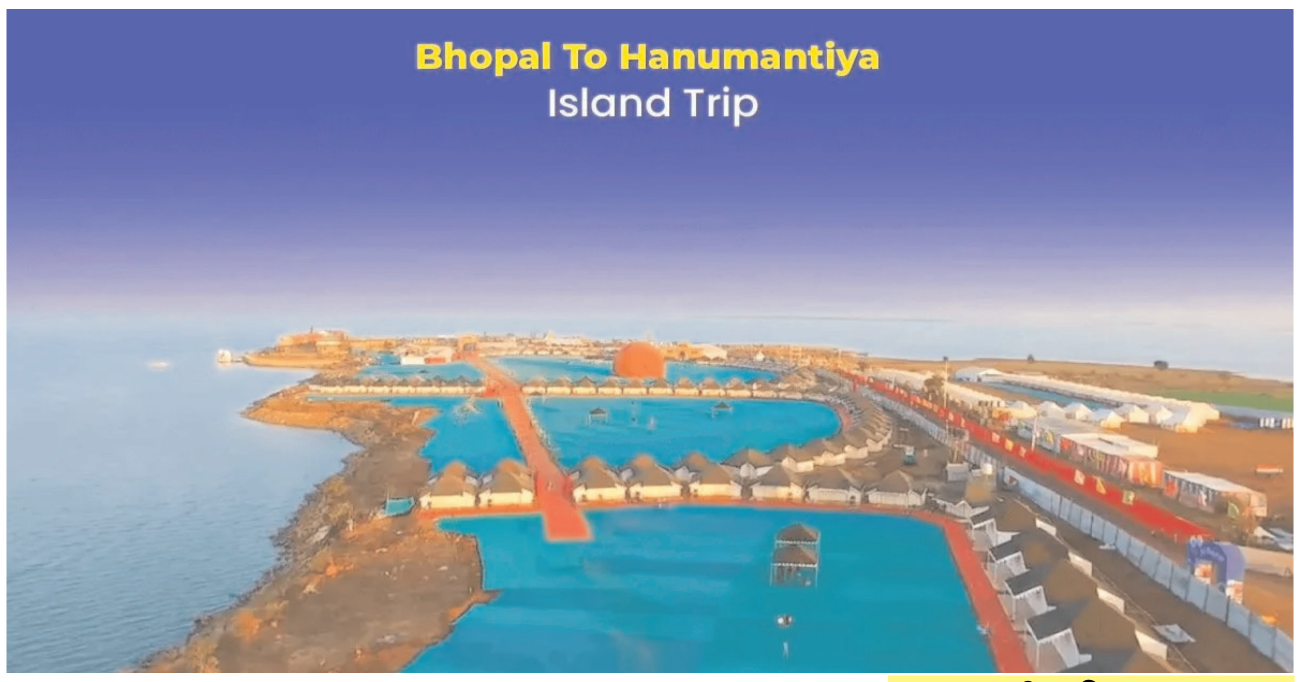

मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं।

मध्य प्रदेश का गठन साल 1956 में हुआ था। यह देश के सबसे बड़े राज्यों में शामिल एक खूबसूरत और प्रमुख राज्य भी है। देश के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश में कई ऐसी खूबसूरत और शानदार जगहें मौजूद हैं, जहां पर सिर्फ देशी ही नहीं बल्कि विदेशी पर्यटक भी घूमने के लिए पहुंचते रहते हैं। मध्य प्रदेश में भोपाल से लेकर इंदौर तक, ग्वालियर, मांडू, ओरछा और जबलपुर जैसी कई ऐतिहासिक जगहें हैं, जिनके बारे में लगभग हर कोई जानता है। वहीं मध्य प्रदेश में हनुवंतिया एक ऐसी जगह है, जहां पर आप बीच का लुत्फ उठा सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हनुवंतिया की खूबसूरती और इसकी खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं।

हनुवंतिया

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में इंदिरा सागर बांध के पास हनुवंतिया स्थित है। यह खंडवा शहर से करीब 45 किमी दूरी पर मौजूद है।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हनुवंतिया करीब 233 किलोमीटर दूर है। वहीं इंदौर से करीब 138 किमी, देवास से करीब 195 किमी और उज्जैन से 197 किमी दूर है।

इस जगह की खासियत

बता दें कि इंदिरा सागर बांध के बैकवाटर में स्थित हनुवंतिया मध्य प्रदेश की एक मनमोहक जगह है। हनुवंतिया को कई लोग आइलैंड या हनुवंतिया टापू के नाम से भी जानते हैं। इस जगह की खूबसूरती इस कदर प्रचलित है कि लोग इसको एमपी का मिनी गोवा भी कहते हैं।

यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता के साथ एक फेमस पर्यटन स्थल माना जाता है। यहां पर गर्मियों में भारी संख्या में पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। हनुवंतिया टापू नीले रंग के पानी और खूबसूरती के कारण गोवा की याद दिलाता है। वहीं मानसून में हनुवंतिया की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

सैलानियों के लिए क्यों है खास

गर्मियों में हनुवंतिया को मध्य प्रदेश को एक परफेक्ट पॉइंट माना जाता है। खासकर वीकेंड में भारी संख्या में पर्यटक घूमने और पिकनिक मनाने के लिए पहुंचते हैं।

हनुवंतिया का शांत और शुद्ध वातावरण पर्यटकों को खूब आकर्षित करता है। यह जगह अपनी खूबसूरती के अलावा एडवेंचर एक्टिविटी के लिए जाना जात है। यहां पर कई लोग सिर्फ एडवेंचर एक्टिविटी करने के लिए पहुंचते हैं।

वॉटर स्पोर्ट्स के लिए है फेमस

बता दें कि हनुवंतिया बीच मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा वाटर एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। यहां पर कई सैलानी सिर्फ मोटरबोटिंग, गोताखोरी, जेट स्कीइंग, सर्फिंग और जोरबिंग के अलावा हॉट एयर बैलूनिंग और पैरा एक्टिविटीज जैसी शानदार और मजेदार एक्टिविटी के लिए पहुंचते हैं।

हर साल हनुवंतिया आइलैंड में जल महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस महोत्सव में शामिल होने के लिए हर साल हजारों की संख्या में पर्यटक शामिल होते हैं।

आसपास घूमने की जगहें

बता दें कि हनुवंतिया के आसपास कई शानदार और खूबसूरत जगहें मौजूद हैं। जिनको आप ट्रिप के दौरान एक्सप्लोर कर सकते हैं। जैसे इंदिरा सागर बांध, घंटाघर, गौरी कुंज, नागचून बांध खंडवा, तुलजा भवानी माता मंदिर को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

बारिश के मौसम का मजा लेना है तो महाराष्ट्र की इन जगहों पर जरूर जाएं

परिवार या दोस्तों के साथ घूमना किसे पसंद नहीं होता? कई लोग ट्रिप पर जाने में ज्यादा दिलचस्पी दिखाते हैं. खासकर अपने पार्टनर या गर्लफ्रेंड के साथ ट्रिप पर जाना कई लोगों को काफी खुशी देता है. इसलिए ज्यादातर लोग अपनी गर्लफ्रेंड के साथ मस्ती करने के लिए खूबसूरत जगहों पर जाना पसंद करते हैं. अगर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिताना चाहते हैं तो आज हम आपके लिए कुछ ऐसी जगहों की जानकारी लेकर आए हैं जो जुलाई में कपल्स के घूमने के लिए बेस्ट जगह हैं. खबर के जरिए जानते हैं कि मानसून में अपने पार्टनर के साथ घूमने के लिए कौन सी जगहें बेस्ट हैं.

लोनावाला

मानसून के मौसम में लोनावाला घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है। इस जगह की खूबसूरती और प्रकृति का अनोखा नजारा हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करता है. खासकर अगर प्रेमी जोड़े और नवविवाहित जोड़े यहां जाएं तो उन्हें बहुत मजा आएगा. क्योंकि यहां का भूशी डैम, टाइगर प्वाइंट, हरी-भरी पहाड़ियां, प्रकृति और खूबसूरत फूलों के बगीचे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करते हैं. इसलिए यह जगह प्रेमी जोड़ों, नवविवाहितों और जोड़ों के लिए सबसे अच्छा पर्यटन स्थल माना जाता है.

मुलशी

अगर आप अपने पार्टनर के साथ मानसून के मौसम का मजा लेना चाहते हैं तो पुणे के पास मुलशी घूमने के लिए एक बेहतरीन जगह है. क्योंकि यहां का इलाका बेहद खूबसूरत है. अपनी प्राकृतिक खूबसूरती और प्रकृति के लिए मशहूर यह जगह पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है. खास तौर पर धुंध भरी पहाड़ियां और मुलशी डैम देखने लायक बेहद खूबसूरत जगह हैं.

माथेरान हिल स्टेशन

माथेरान हिल स्टेशन अपने प्रेमी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमने के लिए सबसे अच्छी जगह है. यह सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है. मुंबई और पुणे के पास स्थित यह बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरी-भरी पहाड़ियों के साथ बेहद खूबसूरत नजारा देता है. ऐसी प्राकृतिक खूबसूरती के बीच अपने साथी के साथ हाथ में हाथ डालकर घूमना आपके बीच प्यार को और बढ़ा देगा. इसलिए माथेरान लवर्स के लिए एक बेहतरीन टूरिस्ट स्पॉट है.

हरिश्चंद्रगढ़

खूबसूरत कॉफी बागानों में अपने प्रियतम के साथ गपशप करने के लिए यह एक बेहतरीन जगह है. मानसून के मौसम में घूमने के लिए यह सबसे अच्छी जगह है. जो लोग ट्रैकिंग करना चाहते हैं, वे इस जगह पर जा सकते हैं, बर्फीले पहाड़ों, कॉफी बागानों, हरे-भरे पेड़ों, रिमझिम बारिश के बीच कोंकण तट की खूबसूरती को निहार सकते हैं. आप अपने साथी के साथ खुशी के पल बिता सकते हैं। इसलिए, मानसून के मौसम में घूमने के लिए हरिश्चंद्रगढ़ सबसे अच्छी जगह है.

लवासा

वरसगांव झील के किनारे स्थित लवासा में अनगिनत वाटर स्पोर्ट्स हैं. महाराष्ट्र में स्थित यह शहर इतालवी शहर पोर्टोफिनो की तर्ज पर बना है. यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, सुव्यवस्थित बुनियादी ढांचे और मनोरंजक गतिविधियों के लिए जाना जाता है. यह जगह कपल्स के लिए बेहद रोमांचक हो सकती है.

शिशु के सीने में जमा हो गया है कफ! ये 7 उपाय दिलाएंगे आराम

बदलते मौसम, प्रदूषण, बीमारियां और अनहेल्दी लाइफस्टाइल अक्सर सीने में कंजेशन (बलगम जमा होना) की समस्या पैदा कर सकते हैं। खासकर शिशुओं में यह समस्या बहुत आम है। सर्दी-जुकाम और छाती में बलगम जमना अक्सर बदलते मौसम या संक्रमण के कारण होता है। शिशुओं की इम्यूनिटी पावर (प्रतिरक्षा क्षमता) बड़ों की तुलना में बहुत कमजोर होती है क्योंकि उनका शरीर पूरी तरह विकसित नहीं होता। इसलिए वे मौसम में बदलाव या हल्के संक्रमण के कारण जल्दी प्रभावित हो जाते हैं।

शिशुओं में छाती में बलगम जमने की समस्या क्यों होती है?

शिशुओं की छाती में बलगम जमने से वे सांस लेने में परेशानी, बेचैनी, भूख में कमी, चिड़चिड़ापन और नींद न आने जैसी परेशानियां महसूस करते हैं। अपनी नन्ही जान को तकलीफ में देखकर माता-पिता भी बहुत चिंतित हो जाते हैं। अगर शिशु की छाती में जमा बलगम समय पर साफ न किया जाए तो इससे फेफड़ों में संक्रमण या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए शिशुओं की देखभाल करते समय इस समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

शिशु के छाती में जमा कफ कैसे निकालें?

कूल-मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें : यह हवा में नमी बढ़ाता है, जिससे शिशु की सांस की नली और छाती में जमा बलगम पतला होकर आसानी से बाहर निकल जाता है।

नम हवा का सेवन कराएं : नम हवा सांस की नली में मौजूद सूजन और जलन को कम करती है, जिससे कंजेशन की समस्या कम होती है।

खांसी को बढ़ावा दें : कई बार खांसी होने से बलगम निकलने में मदद मिलती है। खांसी आने पर बच्चे की मदद करें ताकि बलगम बाहर आ सके।

स्टीम बाथ या भाप दें : बच्चे को गर्म पानी की भाप देना या स्टीम बाथ देना भी बलगम को बाहर निकालने में सहायक होता है।

मालिश करें : शिशु के माथे, कनपटी, नाक और सिर के निचले हिस्से पर हल्का गर्म तेल लगाकर मालिश करें। इससे नासिका मार्ग खुलता है और बलगम हटाने में आसानी होती है।

ऑर्गेनिक चेस्ट रब का इस्तेमाल करें : शिशु के सीने पर ऑर्गेनिक चेस्ट रब लगाने से सांस की नली खुलती है और बलगम कम होता है।

पीठ थपथपाना : बच्चे की पीठ को धीरे-धीरे थपथपाने से भी छाती में जमा बलगम ढीला होकर बाहर निकल सकता है।

ये भी पढ़े : बच्चों के ब्रेन डेवलपमेंट के लिए 5 बेस्ट नाश्ते, पेरेंट्स करें जरूर ट्राई

शिशु की छाती में कफ जमने के मुख्य कारण

वायरल संक्रमण : शिशुओं को अक्सर वायरल संक्रमण होता है, जिससे सर्दी-जुकाम होता है और बलगम जमा हो जाता है।

प्रदूषण और धूल : वातावरण में मौजूद धूल और प्रदूषक शिशुओं की नाजुक सांस की नली को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे बलगम बनता है।

एलर्जी : धूल, पालतू जानवरों के बाल या अन्य एलर्जी पैदा करने वाले कारण भी शिशुओं में कफ बनने की संभावना बढ़ा सकते हैं।

गंभीर बीमारियाँ : कभी-कभी ब्रोंकाइटिस या फेफड़ों का संक्रमण भी बलगम जमने का कारण बन सकता है।

गलत दूध पिलाने की स्थिति : शिशु को दूध देते समय गलत पोश्चर होने पर दूध सांस की नली में जा सकता है, जिससे बलगम जमा हो सकता है।

शिशु की देखभाल और सावधानियां

शिशु के सीने में बलगम जमने से बचाने के लिए उनकी स्थिति पर ध्यान रखें। यदि कंजेशन की समस्या लगातार बनी रहती है या बढ़ जाती है, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। उचित समय पर इलाज न मिलने पर यह समस्या गंभीर हो सकती है और शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकती है।

अगर आप अपने नन्हे बच्चे को स्वस्थ और खुश रखना चाहते हैं तो इन बातों का ध्यान रखें और किसी भी असुविधा में देर न करें। शिशु की छाती में जमा कफ निकालना मुश्किल जरूर हो सकता है, लेकिन सही उपाय अपनाने से आप अपने बच्चे को राहत जरूर दिला सकते हैं।

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं कुल्लू और मनाली

कुल्लू को फ़देवताओं की घाटीफ़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कुल्लू और मनाली, हिमाचल प्रदेश के दो अत्यंत लोकप्रिय पर्वतीय स्थल हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक धरोहरों के लिए प्रसिद्ध हैं। व्यास नदी के किनारे बसे ये स्थान हर साल लाखों पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बर्फ से ढकी चोटियाँ, हरे-भरे जंगल, सुंदर घाटियाँ और शांत वातावरण इन स्थलों को किसी स्वर्ग से कम नहीं बनाते।

कुल्लू - देवताओं की घाटी

कुल्लू को फ़देवताओं की घाटीफ़ के नाम से जाना जाता है। यहाँ का वातावरण शांत, प्राकृतिक और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरपूर होता है। कुल्लू अपने मंदिरों, उत्सवों और हस्तशिल्प के लिए प्रसिद्ध है।

प्रमुख आकर्षण :

रघुनाथ मंदिर- यह कुल्लू का सबसे प्रसिद्ध मंदिर है, जिसे भगवान राम को समर्पित किया गया है।

कुल्लू दशहरा- यहाँ का दशहरा उत्सव विश्व प्रसिद्ध है, जिसमें हज़ारों लोग भाग लेते हैं और अलग-अलग देवताओं की झांकियाँ निकाली जाती हैं।

बिजली महादेव मंदिर- एक पहाड़ी की चोटी पर स्थित यह मंदिर प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक भावना का संगम है।

मनाली- साहसिक यात्रियों का स्वर्ग

कुल्लू से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित मनाली एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो विशेष रूप से नवविवाहित जोड़ों, ट्रेकिंग और स्कीइंग के शौकीनों के बीच लोकप्रिय है।

प्रमुख आकर्षण :

हिडिम्बा देवी मंदिर- यह मंदिर अद्वितीय वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है और पांडवों की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है।

सोलंग वैली- स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, ज़िपलाइनिंग और स्नोबोर्डिंग जैसी गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान।

रोहतांग पास- यह ऊँचाई पर स्थित दर्रा साल के अधिकतर हिस्सों में बर्फ से ढका रहता है और हिमाचल का सबसे आकर्षक स्थान माना जाता है।

वशिष्ठ कुंड- यहाँ के गर्म पानी के स्रोत प्राकृतिक औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध हैं।

कुल्लू-मनाली में करने योग्य गतिविधियाँ

रिवर राफ्टिंग (ब्यास नदी में)

ट्रेकिंग (हामटा पास, बीजली महादेव, भृगु झील ट्रेक)

कैंपिंग और बोनफायर

लोक-संगीत और नृत्य का आनंद

हस्तशिल्प, ऊनी कपड़े और लकड़ी के सामान की खरीदारी

यात्रा की उत्तम अवधि

मार्च से जून के बीच का समय गर्मियों की छुट्टियों के लिए सबसे अच्छा है, जबकि दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी और विंटर स्पोर्ट्स का आनंद लिया जा सकता है। मानसून के समय (जुलाई-अगस्त) यात्रा से बचना बेहतर होता है।

कैसे पहुँचे?

हवाई मार्ग : निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो मनाली से लगभग 50 किमी दूर है।

सड़क मार्ग : दिल्ली, चंडीगढ़ और शिमला से नियमित बस और टैक्सी सेवा उपलब्ध है।

रेल मार्ग : नजदीकी रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, हालांकि चंडीगढ़ से सड़क मार्ग अधिक सुविधाजनक है।

कुल्लू-मनाली केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक अनुभव है- प्रकृति, रोमांच, आध्यात्मिकता और संस्कृति का अनोखा संगम। चाहे आप सुकून भरे पल बिताना चाहें या साहसिक गतिविधियों का लुत्फ उठाना, यह स्थल हर तरह से आपको संतुष्टि प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

जिम्बाब्वे के बेनेट बिना सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बने

हरारे। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट ने श्रीलंका के खिलाफ पहले ही टी20 क्रिकेट मैच में एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। बेनेट बिना कोई छक्का लगाये एक बड़ी पारी खेलने वाले क्रिकेटर बन गये हैं। श्रीलंका के खिलाफ उन्होंने 57 गेंदों में 81 रन बनाए। बेनेट की इस शानदार पारी के बाद भी उनकी टीम मुकाबला हार गई पर इस क्रिकेटर ने एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले ये रिकार्ड दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस और पाकिस्ता के बाबर आजम के नाम था। ब्रायन बेनेट की 81 और कप्तान सिकंदर रजा के 28 रनों की सहायता से जिम्बाब्वे ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 175 रन बनाये। वहीं श्रीलंका की ओर से दुश्मंथा चमीरा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 3 विकेट लिए।

पाक क्रिकेटर हैदर अली बलात्कार के मामले में बरी

लंदन। पाकिस्तान क्रिकेटर हैदर अली को एक यहां पाक मूल की ब्रिटिश महिला से बलात्कार के मामले में राहत मिली है। पिछले माह इस मामले में पकड़े गये हैदर को जांचकर्ताओं ने आरोपों से मुक्त कर दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने के कारण इस पाक क्रिकेटर का आरोपमुक्त किया। रिपोर्ट के मुताबिक ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस और क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने हैदर के मामले को बंद कर दिया है। इस मामले में 4 अगस्त को उन्हें गिरफ्तार किया गया था। एक पाक मूल की ब्रिटिश महिला ने दावा किया था कि हैदर उससे 23 जुलाई को मैनचेस्टर के एक होटल में मिले थे।

जीएसटी पर फैसले के बाद आईपीएल मैच देखना हुआ महंगा

नई दिल्ली। केन्द्र सहकार की जीएसटी पर घोषणा के बाद से ही जहां कई सामान सस्ते हुए हैं। वहीं अब क्रिकेट प्रशंसकों लिए मैच देखना महंगा हो जाएगा क्योंकि टिकटों पर लगने वाला जीएसटी बढ़ जाएगा। आईपीएल मैचों की टिकट पर अब 40 फीसदी जीएसटी लगेगा जिससे वे महंगी हो जाएंगी। इसके अलावा कुछ राज्यों में मनोरंजन पर कर लगने वाला कार 25 पर्सेंट तक पहुंच जाएगा। इस तरह अब एक आईपीएल टिकट के लिए आपको 65 फीसदी तक कर देना होगा। अभी तक एक टिकट पर 28 फीसदी ही जीएसटी लगता था पर अब इसमें 14-14 फीसदी हिस्सा केंद्र और राज्य सरकार को जाता था।

मनप्रीत, सुखजीत, शिलानंद और विवेक ने गोल दागे, सुपर-4 में टॉप पहुंची इंडिया

हॉकी एशिया कप- भारत ने मलेशिया को 4-1 से हराया

राजगीर ■ एजेंसी

हॉकी एशिया कप के सुपर-4 स्टेज में भारत ने मलेशिया को 4-1 से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सुपर-4 के पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पोजिशन भी हासिल कर ली। बिहार के राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में भारत से मनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा और विवेक सागर प्रसाद ने गोल दागे। मलेशिया से इकलौता गोल शफीक हसन ने पहले मिनट में किया। सुपर-4 स्टेज में भारत का पहला मैच कोरिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहा था। टीम इंडिया अब 4 पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर पहुंच गई। चीन दूसरे और मलेशिया तीसरे नंबर पर है। कोरिया बाहर हो गई।

गोलरहित चौथा क्वार्टर, भारत 4-1 से जीता: चौथे क्वार्टर में दोनों ही टीमें गोल नहीं कर सकी। भारत ने इस क्वार्टर में अपना ध्यान डिफेंस पर ही ज्यादा लगाया। फुल टाइम के बाद स्कोर 4-1 रहा और भारत ने मुकाबला जीत लिया।

चौथे क्वार्टर में डिफेंस पर जोर दे रहा भारत: चौथे क्वार्टर में टीम इंडिया डिफेंस पर ज्यादा जोर देते नजर आई। तीसरे क्वार्टर तक टीम ने 4-1 की बढ़त बना ली थी, इसलिए भारत ने अपना डिफेंस स्ट्रॉन्ग कर लिया।

तीसरे क्वार्टर में 1 ही गोल लगा: तीसरा क्वार्टर खत्म होने के बाद टीम इंडिया 4-1 से आगे रही। इस क्वार्टर में भारत से विवेक सागर प्रसादन ने फील्ड गोल किया। मलेशिया पिछले 2 क्वार्टर में दबाव में नजर आया।

पेनल्टी कॉर्नर चूका भारत, विवेक ने फील्ड गोल दागा: तीसरे क्वार्टर के 8वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला। टीम यहां गोल नहीं कर सकी, लेकिन बॉल पजेशन भारत के पास ही रहा। अभिषेक ने मौका देखकर मनप्रीत को पास दिया। मनप्रीत ने गोलपोस्ट के करीब विवेक सागर को पास दिया, उन्होंने मौका भुनाया और गोल दाग दिया।

कृष्ण बहादुर ने पेनल्टी कॉर्नर में गोल बचाया: तीसरे क्वार्टर के दूसरे मिनट में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। कॉर्नर पर मलेशिया ने बेहतरीन शॉट लगाया, लेकिन गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक ने अपने दाएं तरफ हॉकी स्टिक लगाई और गोल होने से बचा लिया।

भारत को लगातार 5 पेनल्टी कॉर्नर मिले, मनप्रीत ने गोल दागा

दूसरे क्वार्टर के शुरू होते ही टीम इंडिया को पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। हरमनप्रीत सिंह गोल नहीं दाग सके, लेकिन भारत को फिर पेनल्टी कॉर्नर मिल गया। इसी कॉर्नर के चलते भारत को लगातार 5 पेनल्टी कॉर्नर मिले। 5वें कॉर्नर पर मनप्रीत सिंह ने गोल दागा और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

तीसरे क्वार्टर का खेल शुरू: तीसरे क्वार्टर का खेल शुरू हो चुका है। हाफ टाइम तक टीम इंडिया 3-1 के स्कोर से आगे रही। भारत से मनप्रीत, सुखजीत और शिलानंद ने गोल दागे। मलेशिया के लिए शफीक हसन ने स्कोर किया।

हाफ टाइम तक आगे हुआ भारत: पहले क्वार्टर में मलेशिया ने लगातार अटैक किया और एक गोल दागकर स्कोर 1-0 से अपने पक्ष में कर लिया। दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया ने अटैक किया और 3 गोल दागकर स्कोर 3-1 से अपने हक में कर लिया। इसी स्कोर के साथ हाफ टाइम हुआ और टीम इंडिया आगे हो गई।

शिलानंद लाकड़ा ने भी गोल किया: दूसरे क्वार्टर में भारत ने 3 गोल दागे और स्कोर 3-1 से अपने पक्ष में कर लिया। 24वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने मिड लाइन से मलेशिया के गोलपोस्ट के करीब पास दिया। शिलानंद लाकड़ा ने हॉकी स्टिक को गोलपोस्ट की ओर दिखाया गोल कर दिया। उन्हीं के असिस्ट पर दूसरे क्वार्टर में सुखजीत सिंह ने गोल भी दागा था।

सुखजीत ने भारत को बढ़त दिलाई: दूसरे क्वार्टर में टीम इंडिया काउंटर अटैक करते नजर आई। मैच के 16वें मिनट में मनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा और भारत को 1-1 की बराबरी दिला दी। 2 मिनट बाद सुखजीत सिंह को शिलानंद लाकड़ा ने पास दिया।

डिस्ट्रिक्ट रोटरेक्ट स्पोर्ट्स टूर्नामेंट भोपाल में संपन्न

भोपाल, निप्र। डिस्ट्रिक्ट रोटरेक्ट स्पोर्ट्स टूर्नामेंट फ्लाई स्पोर्ट्स क्लब भोपाल में आयोजित किया गया जिसका शुभारंभ छिंदवाड़ा के मेयर विक्रम अहाते ने किया इस रोटरेक्ट स्पोर्ट्स आयोजन में देशी खेलकूद खो खो कबड्डी झपट्टा शतरंज का आयोजन उल्लेखनीय है इसमें मंडल 3040 के 100 से अधिक रोटरेक्ट्स खिलाड़ियों ने भाग लिया क्रिकेट ओर बेडमिंटन की स्पर्धाएं भी खेली जाएंगी। उस टूर्नामेंट के आयोजन में रोटरी क्लब ईस्ट भोपाल स्मार्ट सीटी ,भोपाल हिल्स ने सहयोग दिया प्रमुख आयोजक रोटरेक्ट क्लब ऑफ टी आए टी एंड साइंस भोपाल है वर्षा के कारण कुछ स्पर्धा नहीं की जा सकी।

बाकरोट से खेलेंगे गुकेश

फिडे ग्रैंड शतरंज में प्रज्ञानंद का सामना जैफ्री शियोंग से

समरकंद (उजबेकिस्तान) ■ एजेंसी

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत के नंबर एक खिलाड़ी आर प्रज्ञानंद फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज के पहले दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर जैफ्री शियोंग से खेलेंगे, जबकि मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश की टक्कर फ्रांस के एटियेने बाकरोट से होगी। ओपन वर्ग में 116 और महिला वर्ग में 56 खिलाड़ी 855000 डॉलर इनामी राशि के लिये मुकाबला करेंगे जिसमें से 625000 डॉलर पुरस्कार ओपन वर्ग में होगा। यह टूर्नामेंट अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये क्वालिफायर है शीर्ष वरीयता प्राप्त मैग्नस कार्लसन, फेबियानो कारुआना और हिकारू नकामूरा इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। कार्लसन को क्लासिकल शतरंज पसंद नहीं है और वह विश्व चैंपियनशिप नहीं खेलते हैं। कारुआना कैंडिडेट्स के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं और नकामूरा को यकीन है कि जनवरी 2026 तक की औसत रैंकिंग के आधार पर वह

जगह बना लेंगे। ओपन और महिला वर्ग से दो कोटा स्थान तय होंगे।

इन तीनों के नहीं खेलने से शीर्ष तीन वरीयता भारतीय खिलाड़ियों को मिली है। दुनिया के चौथे, पांचवें और छठे नंबर के खिलाड़ी प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी और गुकेश खिताब के प्रबल दावेदार होंगे। महिला विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख भी ओपन वर्ग में उतरेंगी जो महिला कैंडिडेट्स के लिये क्वालिफाई कर चुकी हैं। वह महिला वर्ग में भाग नहनीं ले रही हैं। पहले दौर में उनका सामना हमवतन अभिमन्यु पुराणिक से होगा। भारत के 15 खिलाड़ी ओपन में और तीन महिला वर्ग में उतरेंगे। महिला वर्ग में डी हरिका, पिछली विजेता आर वैशाली और वंतिका अग्रवाल भाग लेंगे। कोनेरू हम्पी महिला कैंडिडेट्स के लिए क्वालिफाई कर चुकी हैं इसलिये यहां नहीं खेल रही हैं।

पहला मैच इस टीम से

महिला एशिया कप हॉकी में नए सिरे से शुरूआत करने उतरेगी भारतीय टीम

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। प्रमुख खिलाड़ियों की चोटों से परेशान भारतीय महिला हॉकी टीम अतीत की नाकामियों को भुलाकर शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया कप के पहले मैच में निचली रैंकिंग वाली थाईलैंड के खिलाफ जीत के साथ शुरूआत करने उतरेगी। विश्व रैंकिंग में नौंवे स्थान पर काबिज भारतीय टीम पूल बी के मैच में 30वीं रैंकिंग वाली थाईलैंड टीम से खेलेगी। भारत पूल में सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है जिसमें जापान (12), थाईलैंड और सिंगापुर (31) भी है। पूल ए में चीन, दक्षिण कोरिया, मलयेशिया और चीनी ताइपे हैं।

चीन (चार) के बाद भारत टूर्नामेंट की सर्वोच्च रैंकिंग वाली टीम है। एशिया कप अगले

साल बेल्जियम और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट भी है। थाईलैंड के बाद भारत का सामना शनिवार को जापान से और आठ सितंबर को सिंगापुर से होगा।

अनुभवी गोलकीपर सविता और ड्रैग फ्लिकर दीपिका को लगी चोटों से भारतीय टीम कमजोर हुई है। सविता टखने की चोट के कारण बाहर है जो उन्हें अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। दीपिका की जगह साक्षी खेल रही हैं। फॉरवर्ड और ड्रैग फ्लिकर दीपिका ने पिछले कुछ अर्से में शानदार प्रदर्शन किया है। इन दोनों के नहीं खेलने से कप्तान सलीमा टेटे, नवनीत कौर, उदिता, नेहा, शर्मिला देवी और लालरेम्सियामी पर अधिक दारोमदार होगा।

भारतीय महिला टीम का प्रदर्शन इस साल अच्छा नहीं रहा है और एफआईएच प्रो लीग के यूरोप चरण में आखिरी स्थान पर रहने के बाद टीम नीचे खिसक गई। भारत ने एशिया कप 2004 और 2017 में जीता है। भारत के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह को भी पता है कि प्रो लीग के खराब प्रदर्शन के बाद उन पर अच्छे प्रदर्शन का भारी दबाव होगा।

भारतीय टीम

बांसरी सोलंकी और बिछू देवी खारीबम (गोलकीपर), मनीषा चौहान, उदिता, ज्योति, सुमन देवी, निक्की प्रधान, इशिका चौधरी, नेहा, वैष्णवी फाल्के, सलीमा टेटे (कप्तान), शर्मिला देवी, लालरेम्सियामी, सुनेलिटा टोप्पो, नवनीत कौर, रूतुजा पिसाल, ब्यूटी डुंगडुंग, मुमताज खान, साक्षी, संगीता कुमारी।

व्यापार समाचार

उद्योग जगत ने जीएसटी में सुधार का किया स्वागत

उपभोक्ता मांग और कारोबार को मिलेगी नई रफ्तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जीएसटी सुधार के फैसले को लेकर उद्योग का कहना है यह एक बहुत बड़ा कदम है और इससे उपभोक्ता मांग में बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं अब विलासिता की वस्तुएं नहीं रहकर आवश्यक वस्तुएं हो गई है और एक नई जीवनशैली में जरूरत भी हैं। साथ ही दरों को दो स्लैब में लाने से विक्रेता, खरीदार और निर्माता तीनों को फायदा होगा, यानी 360 डिग्री कारोबार पर सकारात्मक असर होगा। सरकार ने त्योहारों से पहले वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने केवल दो कर यानी 5 और 18 प्रतिशत में बदल दिया है। इसके अलावा लग्जरी वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर को रखा गया है। यह कर दर 22 सिंतबर से प्रभावी होगी। उद्योग का कहना है जीएसटी सुधार एक बहुत बड़ा कदम है, इससे उपभोक्ता मांग में बढ़ावा मिलने के साथ सभी क्षेत्र में कारोबार में तेजी आएगी। वहीं दूसरी ओर निर्माण क्षमता में विस्तार होगा, जो सूक्ष्म एवं लघु उद्योग को बढ़ाने में मदद करेगा।

उपभोक्ता भावनाओं को बेहतर बनाने में मिलेगी मदद: गोदरेज एंटरप्राइजेज समूह के अप्लाइंसेज कारोबार के बिजनेस हेड एवं ईवीपी कमल नंदी ने बताया कि जीएसटी में सुधार का उद्योग स्वागत करता है। इससे उपभोक्ता भावनाओं

को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी और कई स्तर पर कारोबार भी बेहतर होगा। एयर कंडीशनर और डिशवॉशर जैसे उत्पादों में जीएसटी को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत सकारात्मक कदम है। देखा जाए तो भारत में अब एयर कंडीशनर विलासित वस्तु नहीं है, वह अब जरूरत बन गई है। जीएसटी सुधार से उपभोक्ताओं की खरीदारी बढ़ेगी और समय के साथ उत्पाद प्रवेश के स्तर में सुधार होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर उद्योग को तो फायदा होगा साथ ही आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं के लिए जीएसटी युक्तिकरण अच्छा फैसला है। इससे उपभोक्ताओं की आत्मविश्वास को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

इस कटौती से उपभोक्ताओं को 10% का फायदा होगा: ब्लू स्टार के एमडी बी त्यागराजन का कहना है कि एयर कंडीशनर पर जीएसटी दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से इसकी खरीदारी में बढ़ोतरी होगी। यह एतिहासिक कदम है और इससे विशेषकर दूसरे और तीसरे दर्ज के शहरों में मांग बढ़ने की उम्मीद है। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं अब विलासिता की वस्तुएं नहीं रहकर आवश्यक वस्तुएं हो गई है और एक नई जीवनशैली में जरूरत भी हैं। वे कहते हैं इस कटौती से उपभोक्ता को 10 प्रतिशत का फायदा होगा और यह उद्योग के लिए सरकारात्मक होगा।

रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुए अधिक किफायती होंगी

जॉय पर्सनल केयर (आरएसएच ग्लोबल) के सह संस्थापक एवं अध्यक्ष सुनील अग्रवाल बताते हैं कि दैनिक आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी को 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को होगा। साथ ही व्यापक रूप से एफएमसीजी उद्योग (फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स) को ऊर्जा मिलेगी। परिवारों के लिए यह जीएसटी में कर कटौती वित्तीय दबाव को कम करती है और रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं को अधिक किफायती बनाती है। उनका कहना है कि ग्रामीण भारत लगातार छह तिमाहियों से एफएमसीजी विकास को गति दे रहा है और यह कदम इन मूल्य संवेदनशील बाजारों में मांग को और मजबूत करेगा। वहीं दूसरी ओर शहरी खपत में सुधार करने में भी मदद करेगा। उनका कहना है जीएसटी दरों में कटौती आगामी त्योहारी सीजन में लाखों भारतीय परिवारों के हाथों में अधिक खर्च करने के लिए आय प्रदान करेगा।

अमेरिकी सांसद ने 50% टैरिफ पर जताई चिंता, कहा

ट्रंप दोनों देशों के संबंधों को खतरे में डाल रहे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

अमेरिका के एक प्रमुख सांसद प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि ट्रंप अपनी मनमानी टैरिफ नीति से भारत के साथ संबंधों को खतरे में डाल रहे। उन्होंने अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के साथ बैठक की। अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव के बीच क्वात्रा लगभग रोजाना अमेरिकी सांसदों से मिल रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का भारत के खिलाफ मनमाना टैरिफ लगाना दोनों देशों के संबंधों को खतरे में डाल रहा है। अमेरिका के एक प्रमुख सांसद प्रतिनिधि ग्रेगरी मीक्स ने यह चिंता जाहिर की है। हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेमोक्रेट्स के रैंकिंग सदस्य मीक्स ने बुधवार को अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने अमेरिका-भारत साझेदारी के लिए कांग्रेस के समर्थन को रेखांकित किया।

राजदूत विनय मोहन क्वात्रा के साथ हुई बैठक: सदन की विदेश मामलों की समिति के डेमोक्रेट सदस्यों ने मीक्स के हवाले से सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इसमें कहा गया कि अमेरिका-भारत साझेदारी के लिए कांग्रेस के समर्थन को रेखांकित करने के लिए राजदूत विनय मोहन क्वात्रा से मुलाकात की। यह पिछले 25 वर्षों में क्वाड के माध्यम से मजबूत हुई है। मीक्स ने कहा कि गहरे संबंधों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता, यूक्रेन में शांति के लिए हमारी साझा आशा, व ट्रम्प के मनमाने टैरिफ पर अपनी चिंता दोहराई। यह इस महत्वपूर्ण संबंध के लिए खतरा हैं।

चर्चा आपसी हितों के व्यापक मुद्दों पर केंद्रित: मीक के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए क्वात्रा ने कहा कि हाउस फॉरेन अफेयर्स पर अपने नेतृत्व के दौरान अमेरिका-भारत संबंधों के लिए उनके निरंतर परामर्श और दृढ़ समर्थन के लिए आभारी हूं। क्वात्रा ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हमारी चर्चा व्यापार, ऊर्जा, हिंद-प्रशांत और आपसी हितों के व्यापक मुद्दों पर केंद्रित थी।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार परिदृश्य के दृष्टिकोण: क्वात्रा ने कांग्रेसनल एनर्जी एक्सपोर्ट कॉकस की अध्यक्ष प्रतिनिधि कैरोल मिलर से भी मुलाकात की और उन्हें भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार परिदृश्य के बारे में जानकारी दी। भारतीय राजदूत ने एक्स पर पोस्ट किया कि कांग्रेसनल एनर्जी एक्सपोर्ट कॉकस की अध्यक्ष कैरोल मिलर को भारत की ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार के दृष्टिकोण, विशेष रूप से अमेरिका के साथ भारत के हाइड्रोकार्बन व्यापार के बारे में जानकारी देने का अवसर मिला। साथ ही उन्होंने यूक्रेन में संघर्ष के समाधान के लिए अलास्का शिखर सम्मेलन सहित सभी प्रयासों में भारत के दृढ़ समर्थन पर प्रकाश डाला।

आईईएक्स का अगस्त बिजली कारोबार 18.9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) का अगस्त 2025 में बिजली कारोबार सालाना आधार पर 18.9 बढ़कर 1180.3 करोड़ यूनिट हो गया। बढ़ती मांग के बावजूद एक्सचेंज पर बिजली की कीमतें पिछले वर्ष की तुलना में कम रहीं, जिसका कारण आपूर्ति पक्ष की बेहतर नगदी रही। अगस्त में डे-अहेड मार्केट में बिजली का औसत मूल्य 4.00 रुपए प्रति यूनिट रहा, जो पिछले वर्ष से 7 फीसदी कम है। इस खंड में कुल 479.7 करोड़ यूनिट का कारोबार हुआ, जो जुलाई 2024 की तुलना में 3 फीसदी अधिक है और कुल कारोबार में इसका हिस्सा 34 फीसदी रहा। वहीं रियल टाइम मार्केट में कारोबार 44 फीसदी बढ़कर 502.9 करोड़ यूनिट हो गया। इसमें कीमत 3.38 रुपए प्रति यूनिट रही, जो सालाना 6 फीसदी की गिरावट दर्शाता है।

मदर डेयरी उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी जीएसटी कटौती का लाभ

नई दिल्ली। मदर डेयरी ने गुरुवार को घोषणा की कि वह केंद्र सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादों पर की गई जीएसटी कटौती का सीधा लाभ उपभोक्ताओं को देगी। यह निर्णय पनीर, चीज़, घी, मक्खन, यूएचटी दूध, दूध आधारित पेय और आइसक्रीम जैसे उत्पादों पर लागू होगा। मदर डेयरी के एक प्रमुख अ?धिकारी ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे मूल्यवर्धित दुग्ध उत्पादों की पहुंच उपभोक्ताओं तक बेहतर होगी। उन्होंने कहा कि पैकेज्ड श्रेणी की मांग तेजी से बढ़ रही है और इस सुधार से उसमें और इज़ाफा होगा। कंपनी ने यह भी आश्वासन दिया कि वह इस कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इससे न सिर्फ उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी, बल्कि किसानों को भी अधिक अवसर मिलेंगे।

दिवाली पर हवाई किराया 50 फीसदी तक बढ़ा, उड़ानें कम हुई

मुंबई। इस साल दीवाली सप्ताह (19 से 25 अक्टूबर) में हवाई किराया पिछले साल की तुलना में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ गया है। मुंबई-पटना मार्ग का औसत इकॉनमी क्लास किराया 14,540 रुपए रहा, जबकि पिछले साल 9,584 रुपए था। बेंगलूरु-लखनऊ मार्ग पर किराया 9,899 से बढ़कर 6,720 रुपए हो गया है। रुपये की कमजोरी और विमानों की कमी इसके मुख्य कारण बताए जा रहे हैं। त्योहारों के कारण यात्रियों की संख्या बढ़ी है, जिससे अग्रिम बुकिंग भी तेज़ हो गई है। प्रमुख महानगरों जैसे दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु और चेन्नई में टिकट बुकिंग में 100 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई है।

बोले आईटी मंत्री वैष्णव

सेमीकॉन इंडिया में हुए समझौते देश की सेमीकंडक्टर यात्रा आगे बढ़ाएंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि नए सहयोग और उत्पाद लॉन्च देश में आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने बताया कि प्रमुख घोषणाओं में से एक टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और मर्क के बीच समझौता है, इसके तहत मर्क गुजरात के धोलेरा स्थित टाटा के फैब को सामग्री, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति शृंखला तैयार करने में मदद देगा।

भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा सही गति और पैमाने के साथ आगे बढ़ रही है। इससे जुड़ी 13 प्रमुख घोषणाएं सेमीकॉन इंडिया 2025 के दौरान की गई। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को यह बात कही। मंत्री ने बताया कि नए सहयोग और उत्पाद लॉन्च देश में आत्मनिर्भर सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने बताया कि प्रमुख घोषणाओं में से एक टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और मर्क के बीच समझौता है, इसके तहत मर्क गुजरात के धोलेरा स्थित टाटा के फैब को सामग्री, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति शृंखला तैयार करने में मदद देगा। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य सुरक्षा, प्रतिभा विकास, मानकों और आत्मनिर्भरता पर केंद्रित होगा। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने चिपआईएन, डीएलआई योजना और चिप्स -टू-स्टार्टअप पहल के तहत स्टार्टअप्स, एमएसएमई और शिक्षा जगत को समर्थन देने के साथ भारत के डिजाइन और आईपी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए सी-डैक के साथ भी एक समझौता किया है। केन्स सेमीकॉन ने भी कई साझेदारी का एलान किया है। स्पर्श-आईक्यू सॉल्यूशंस, थर्डीटेक, फोकली और सेंससेमी टेक्नोलॉजीज के साथ इसने भारत के पहले पूर्णत: स्वदेशी ऑटोमोटिव और औद्योगिक एआई विजन समाधान के विकास की घोषणा की है।

जीएसटी सुधारों को पीयूष गोयल ने बताया गेम चेंजर, कहा

फार्मा से लेकर एमएसएमई को होगा लाभ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी करार दिया। उन्होंने कहा कि इसका फार्मा से लेकर हमारे एमएसएमई तक अनेक क्षेत्रों को लाभ होगा।यह कदम 2047 तक विकसित भारत बनने की यात्रा में आने वाले महीनों और वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधारों को परिवर्तनकारी बताया है। उन्होंने उद्योग जगत से इसका पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने को कहा है। इंडिया मेडटेक एक्सपो 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि जीएसटी में कटौती से हर

उपभोक्ता को लाभ होगा।

अनेक क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा: गोयल ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में की गई अनेक पहलों के फलस्वरूप कल जीएसटी में अप्रत्यक्ष करों में जो सुधार किया गया, वह परिवर्तनकारी है। इसका फार्मा क्षेत्र को लाभ होगा। साथ ही किसान से लेकर हमारे एमएसएमई तक अनेक क्षेत्रों पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश के प्रत्येक हितधारक, प्रत्येक उपभोक्ता को इसका लाभ मिलेगा। जीएसटी सुधारों को गेम चेंजर करार देते हुए मंत्री ने कहा कि यह कदम 2047 तक विकसित भारत बनने की यात्रा में आने वाले महीनों और वर्षों में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

जीएसटी में किए गए बड़े बदलाव: जीएसटी काउंसिल की 56वीं बैठक के बाद बीते दिन यानी बुधवार को जीएसटी से जुड़े कई बड़े बदलाव सामने आए। जीएसटी परिषद की ओर से जीएसटी व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन को मंजूरी दिए जाने के बाद जीएसटी परिषद ने स्लैब को 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत तक सीमित करने को मंजूरी दी। यह 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन से प्रभावी होंगे।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी पासपोर्ट के सहारे भारत में प्रवेश करते एक नाइजीरियन नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण । बिहार के पूर्वी चंपारण जिले की भारत–नेपाल सीमा के रक्सौल सीमा पर आब्रजन विभाग ने कोट डी आईवोआर का फर्जी पासपोर्ट के सहारे अवैध तरीके से भारत में प्रवेश करने की कोशिश करते एक नाइजीरियन नागरिक जोसेप ओकोये को हिरासत में लिया है। आब्रजन अधिकारी व हरैया थानाध्यक्ष किशन कुमार पासवान ने बताया कि नाइजीरियन नागरिक ने पूछताछ में बताया कि वह पहली बार 15 अप्रैल 2012 को तीन महीने के मेडिकल वीजा पर मुम्बई आया था। उसका करीब 12 वर्ष पहले वीजा समाप्त हो गया था, तब से वह बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में रह रहा था, जिसको लेकर 29 दिसंबर 2024 को उसे लीव इंडिया नोटिस जारी कर नाइजीरिया वापस भेजा गया था। लेकिन उसने डिपोर्ट के बाद अपनी पहचान बदल कर एक बार फिर नया नाम और जन्मतिथि के साथ कोट डी आईवोआर का फर्जी पासपोर्ट बनवाया और एक बार फिर नेपाल के रास्ते भारत में घुसने की कोशिश की । और इस बार वह प्रवेश करने से पहले ही पुलिस अधिकारियों की नजरों से बचने में नाकामयाब रहा।

राजगीर में भूटान के प्रधानमंत्री ने रायल भूटानी बौद्ध मंदिर का उद्घाटन किया

पटनां भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने गुरुवार को राजगीर में 70 फीट ऊंचे रायल भूटानी बौद्ध मंदिर का उद्घाटन किया। यह मंदिर भारत और भूटान के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मैत्री का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह में भूटान के राजा, प्रमुख बौद्ध भिक्षु जे खेपों, केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरण रिजिजू और बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार भी मौजूद रहे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि यह सिर्फ एक मंदिर नहीं है, बल्कि यह भारत और भूटान के बीच शांति, मैत्री और सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक है। आप लोग सौभाग्यशाली हैं कि भगवान बुद्ध की धरती पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सहयोग से ही इस भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो पाया है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा, भारत और भूटान न केवल भौगोलिक रूप से निकट हैं, बल्कि हमारे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक संबंध भी गहरे हैं। यह मंदिर आने वाली पीढ़ियों के लिए इन संबंधों की प्रेरणा बनेगा। बिहार के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने भी खुशी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को इस परियोजना के लिए बधाई दी।

भारत के नए इमिग्रेशन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को छूट

काठमांडू। भारत सरकार ने 2 सितंबर से पूरे देश में जो नए आप्रवासन नियम लागू किए हैं उससे नेपाल और भूटान के नागरिकों को छूट दी गई है। नए नियम में किसी भी विदेशी नागरिक को भारत प्रवेश करने पर अनिवार्य रूप से फॉर्म सी भरने का निर्देश जारी किया गया है। भारत के गृह मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि नए आप्रवासन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को अलग रखा गया है। गृह मंत्रालय के इस नए नियम को लेकर नेपाल में संशय उत्पन्न होने के बाद काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने एक बयान जारी कर नेपाल और भूटान के नागरिकों को इस नए नियम से अलग रखने की जानकारी दी गई है। भारतीय दूतावास ने साफ किया है कि भारत के गृह मंत्रालय के तरफ से 2 सितंबर से लागू नए आप्रवासन नियमों से नेपाल और भूटान के नागरिकों को अलग रखा गया है। इस बयान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि भारत के गृह मंत्रालय द्वारा जारी नई गाइडलाइन के मुताबिक नेपाल और भूटान के नागरिकों को नेपाल में प्रवेश करते समय पासपोर्ट या वीजा की कोई अनिवार्यता नहीं है।

मणिपुर में कुकी-ज़ो परिषद एनएच-2 को आवाजाही के लिए खोलने को तैयार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के साथ बैठक के बाद मणिपुर में कुकी–ज़ो परिषद (केजेडसी) ने राष्ट्रीय राजमार्ग–2 को यात्रियों और आवश्यक सामान बिना रुकावट आवाजाही के लिए खोलने का निर्णय लिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अनुसार नई दिल्ली में गुरुवार को गृह मंत्रालय, मणिपुर सरकार, कुकी राष्ट्रीय संगठन/केएनओ और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट/यूपीएफ के प्रतिनिधियों के बीच त्रिपक्षीय बैठक हुई। बैठक के बाद त्रिपक्षीय परिचालन निलंबन समझौते पर हस्ताक्षर हुए। यह समझौता बातचीत के आधार पर किया गया। समझौते के नियम और शर्तें एक वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी होंगे। गृह मंत्रालय के मुताबिक यह निर्णय पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में गृह मंत्रालय के अधिकारियों और केजेडसी के एक प्रतिनिधिमंडल के बीच जारी बैठकों का परिणाम है। केजेडसी ने एनएच–2 पर शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा बलों के साथ सहयोग का विश्वास दिलाया है। संशोधित मूल नियमों में मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता और मणिपुर में स्थायी शांति और स्थिरता के लिए बातचीत से समाधान पर जोर दिया गया। वहीं केएनओ और यूपीएफ ने कुछ बिन्दुओं पर सहमति जताई है।

नालंदा विश्वविद्यालय अध्यात्म का शाश्वत दीपस्तंभ है: टोबगे

नालंदा। बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सचिन चतुर्वेदी ने गुरुवार को भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे व उनकी धर्मपत्नी तथा उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का यहां स्वागत किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय की ओर से एक प्रतियोगिता आयोजित की गयी, जिसमें विद्यार्थियों ने शेरिंग टोबगे से 50 से अधिक प्रश्न पूछे। उन्होंने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। मौके पर शेरिंग टोबगे ने कहा कि आज का नालंदा विश्वविद्यालय विविधतापूर्ण छात्र–शिक्षक समुदाय के माध्यम से उसी ऐतिहासिक परंपरा को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने छात्रवृत्ति, शैक्षणिक आदान–प्रदान और सांस्कृतिक साझेदारी को मजबूत करने का प्रस्ताव रखा तथा नालंदा विश्वविद्यालय को भूटान में नवंबर में आयोजित होने वाले ग्लोबल पेप्सी प्रेयर फेस्टिवल में भाग लेने का आमंत्रण भी दिया।

अंतर विद्यालयीन जनरल नॉलेज क्विज स्पर्धा संपन्न, विजेता हुए पुरस्कृत

भोपाल ■ प्रतिनिधि

रोटरी क्लब भोपाल मिडटाउन द्वारा आज अंतर विद्यालयीन जनरल नॉलेज क्विज के फाइनल्स का आयोजन शामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय ऑडिटोरियम में किया गया।

इस अवसर पर रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3040 के मंडल अध्यक्ष रोटेरियन सुशील मल्होत्रा एवं प्रथम महिला रूबी मल्होत्रा मुख्य अतिथि के रूप में एवं भोपाल के पूर्व आयुक्त अजातशत्रु श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

प्रथम स्थान शारदा विद्या मंदिर
द्वितीय स्थान माउंट कार्मल स्कूल एवं
तृतीय स्थान सेंट मैरी स्कूल द्वारा अर्जित किया गया।

इस अवसर पर भोपाल शहर के विद्यालयों और महाविद्यालयों के 50 से अधिक शिक्षकों का सम्मान भी किया गया। रोटरी क्लब यह आयोजन निरंतर पिछले 12 वर्षों से कर रहा है। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन हेमसिंह गुर्जर ने अपने स्वागत उद्बोधन में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम की चेयरपर्सन रोटेरियन पालकी छाजेड़ द्वारा क्विज कार्यक्रम का समन्वय किया गया। अंत में सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में भोपाल के विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

दिल्ली में बारिश का कहर जारी, जन-जीवन अस्त-व्यस्त

खतरे के निशान से दो मीटर से ज्यादा ऊपर बह रही यमुना के जलस्तर में मामूली गिरावट

नई दिल्ली ■ एजेंसी

दिल्ली में खतरे के निशान से दो मीटर से ज्यादा ऊपर बह रही यमुना के जलस्तर में गुरुवार शाम छह बजे मामूली गिरावट दर्ज की गई। यमुना का जलस्तर गुरुवार सुबह 10 बजे 207.47 के मुकाबले शाम छह बजे 207.43 दर्ज किया गया। हरियाणा के हथिनी कुंड से छह शाम बजे भी 138563 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। प्रशासन यमुना से सटे इलाकों में पानी भरने के बाद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में लगा हुआ है। दिल्ली सरकार के साथ-साथ भाजपा सांसदों ने बाढ़ग्रस्त इलाकों को दौरा कर लोगों की मदद की।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने गुरुवार को कहा कि हमने सारे इंतजाम कर लिए हैं और यमुना के जलस्तर पर नजर बनाए हुए हैं। कई वर्षों बाद इतना पानी आया है, लोहे के पुल तक पानी आ गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और बाढ़ नियंत्रण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह लगातार इसकी समीक्षा कर रहे हैं। हथिनी कुंड से छोड़े जा रहे पानी को लेकर मुख्यमंत्री ने हरियाणा के मुख्यमंत्री से भी बात की है। हमें उम्मीद है कि अगर बारिश रुक गई, बारिश का पानी जलग्रहण क्षेत्र तक नहीं पहुंचा, तो स्थिति नियंत्रण में है और नियंत्रण में ही रहेगी।

भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने दक्षिण दिल्ली के जैतपुर पार्ट–2 में विश्वकर्मा कॉलोनी के बाढ़ पीड़ितों से मिले और सुविधाओं का जायजा लिया।

उन्होंने यहां राशन, पानी, शौचालय, मेडिकल, सफाई तथा अन्य सारी व्यवस्था का निरीक्षण किया। बिधूड़ी ने बताया कि बाढ़ पीड़ितों ने भी सारी व्यवस्था पर संतोष जताया है। सांसद के दौरे के दौरान डीएम और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। उन्होंने अधिकारियों को लगातार मुस्तैद रहने के दिए निर्देश।

भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत गुरुवार को मटियाला विधानसभा क्षेत्र के शिकारपुर, घुमनहेड़ा, रावता, झुलझुली और गालिबपुर गांव के खेतों में भारी बारिश के कारण उत्पन्न जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसानों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना और अधिकारियों को तत्काल समाधान के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की हर कठिनाई का समय पर समाधान हमारी प्राथमिकता है।

आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने गुरुवार को दिल्ली में यमुना नदी के बढ़ते जलस्तर को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रशासन के साथ मिलकर राहत कार्यों में सहयोग करने की अपील की। केजरीवाल ने एक्स पोस्ट में कहा कि दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ने से कई इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा हैं। उन्होंने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से अपील कि वे स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर प्रभावित लोगों की मदद करें। उन्होंने कहा कि यह समय एकजुट होकर जनता की सेवा करने का है।

नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने भी कार्यकर्ताओं से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि दिल्ली में बाढ़ के कारण कई इलाकों में पानी भर गया है जिससे हजारों परिवारों को अपने घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा है। बढ़ते जलस्तर को देखते हुए उन्होंने आआपा के सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे प्रशासन के साथ मिलकर राहत और बचाव कार्य में मदद करें। उन्होंने कहा कि हर जरूरतमंद तक मदद पहुंचाना ही उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने बयान में कहा कि राजधानी दिल्ली में यमुना ने रौद्र रुप धारण कर लिया है और पानी खादर में उफान पर है। यमुना से सटे क्षेत्रों और सड़कों तक पहुंचे पानी से राहत दिलाने के लिए राहत कैंप पर्याप्त मात्रा में नहीं लगाए है और जो राहत कैंप लगाएं है उन्हें व्यवस्थित तरीके से नहीं लगाए गए है। राहत शिविरों में खाने सहित दूसरी सुविधाओं की भारी कमी है।

यादव ने कहा कि यमुना सटे क्षेत्रों में बसी कॉलोनियों के घरों में पानी घुस चुका है। जब यमुना के तटीय क्षेत्रों सहित बदरपुर खादर, गढ़ी, माडूं पुराना उस्मानपुर गांव, यमुना खादर, यमुना बाजार, निगम बोध घाट, मोनेस्ट्री, लोहे का पुल, आईएसबीटी कश्मीरी गेट सहित विश्वकर्मा कॉलोनी पानी भर चुका है। आईटीओ, दिल्ली सचिवालय, नजफगढ़ की कॉलोनियों और कालिंदी कुंज में यमुना का पानी आ गया है। यादव ने कहा कि लोहे के पुल तक जलस्तर पहुंचने का मतलब 207.41 मीटर तक पहुंच गया है, जो 63 वर्षों में तीसरी बार हुआ है।

छत्तीसगढ़ के रायपुर एनआईटी-एफआईई को राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार

रायपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के एनआईटी, रायपुर और फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (एफआईई) को राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। संस्थान को इस पुरस्कार से चौथे भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन 13 सितंबर को नई दिल्ली के संसद मार्ग स्थित एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में होगा। यह जानकारी गुरुवार को राज्य सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने दी।

राज्य जनसंपर्क विभाग ने बताया कि भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में एनआईटी रायपुर-एफआईई के उत्कृष्ट योगदान के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। संस्थान को यह सम्मान राज्य में 35 से आधिक नये स्टार्टअप्सको मार्गदर्शन और उन्हें उत्कृष्ट तकनीकी सहयोग के लिए मिलेगा। भारत उद्यमिता शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय उद्यमी संघ (ईएआई) और एंटरप्राइजिंग जोन-ईजेड द्वारा किया जा रहा है, जो भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेशन केंद्र है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस उपलब्धि पर संस्थान को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में लगातार स्टार्टअप्स को बढ़ावा मिल रहा है। यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ में तेजी से बदल रहे औद्योगिक वातावरण को प्रोत्साहित करेगा। एनआईटी रायपुर फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार मिलना छत्तीसगढ़ के लिए गर्व की बात है। स्टार्टअप्स के पोषण और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए एनआईटी रायपुर-एफआईई की टेक्नोलॉजी आधारित गतिविधियां हमारे राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी, और छत्तीसगढ़ को नवाचार के केंद्र के रूप में स्थापित करेंगी। मुख्यमंत्री ने पूरी टीम को बधाई देते देते हुए उम्मीद जताई कि यह संस्था युवाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने और तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने में निरंतर सफलता हासिल करेगी।

एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एन. वी. रमना राव ने कहा कि राष्ट्रीय इन्क्यूबेटर पुरस्कार नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में संस्था की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने बताया कि एफआईई लगातार एक मजबूत इकोसिस्टम बनाने में जुटा है, जो तकनीकी स्टार्टअप्स को सहयोग देकर उन्हें सफल उद्यमों में बदलता है।

देश में सड़क दुर्घटनाओं से जीडीपी में 3 फीसदी का नुकसान: गडकरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क सुरक्षा को देश की प्राथमिकता बताते हुए गुरुवार को कहा कि देश में हर साल औसतन 4.80 से 5 लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिसमें लगभग 1.80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इन दुर्घटनाओं से जीडीपी को 3 फीसदी का नुकसान होता है, जो किसी बीमारी या युद्ध से भी अधिक है।

गडकरी ने फिक्की के 7वें रोड सेफ्टी अवॉर्ड्स एंड सिम्पोजियम 2025- विजन जीरोः लाइफ फर्स्ट, ऑलवेज कार्यक्रम में कहा कि सालाना होने वाली सभी दुर्घटनाओं में 66.4 फीसदी मौतें 18 से 45 साल के युवाओं की होती हैं, जो देश के भविष्य के लिए गंभीर चिंता है। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में 18 साल से कम उम्र के 10 हजार बच्चों की सालाना मौत होती है, जो चिंता का विषय है। हेलमेट न पहनने से करीब 30,000 और सीट बेल्ट न लगाने से 16,000 मौतें सालाना होती हैं। इन आंकड़ों को कम करने के लिए सरकार ने नई बाइक खरीदने वालों को दो हेलमेट देने की अनिवार्यता लागू की है। साथ ही, जागरूकता फैलाने के लिए अमिताभ बच्चन के साथ सालाना कार्यक्रम

आयोजित किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए शंकर महादेवन का एक गीत 22 भाषाओं में अनुवादित कर स्कूली बच्चों तक पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए बड़े पैमाने पर डिजिटल अभियान भी शुरू किया गया है। उन्होंने वाहन सुरक्षा को मजबूत करने के लिए ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में सुधार का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल उद्योग में इस बदलाव से परफेक्शन आया है, जिससे वाहन दुर्घटनाओं में कमी की उम्मीद है। ट्रक ड्राइवरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जो 16-18 घंटे लगातार गाड़ी चलाते हैं, उनके केबिन में एसी अनिवार्य किया गया है। गर्मी और थकान से होने वाली अस्वस्थता को कम करने के लिए फटीग और स्लीप डिटेक्शन सिस्टम पर भी काम चल रहा है।

उन्होंने बसों की सुरक्षा को लेकर कहा कि पहले बस बॉडी कोड में खामियां थीं, जिसे सुधारने में समय लगा। अब विश्वस्तरीय बस बॉडी कोड को अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो।

पश्चिम मध्य रेल

एकल निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर भारत संघ के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई–निविदा आमंत्रित करते है। (1) **निविदा सूचना क्रमांक:** जबल–एन–टेली.–टेंडर–2025–07 **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** जबलपुर मंडल के पिपरिया, नरसिंहपुर और दमोह स्टेशनों पर तीन वर्ष की अवधि के लिए स्थापित करेल एक्सचेंज (मेसर्स इंटेलिकॉन निर्मित डीएस 200 ईपीएबीएक्स सिस्टम) का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध (सीएएमसी)। **निविदा का अनुमानित मूल्य:** ₹537878.82 **निविदा फॉर्म की कीमत:** ₹ 00/– **कार्यालय का पता:** मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर **बयाना राशि:** ₹ 10800.00/– **समापन अवधि (माह):** 36 माह **निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय:** दिनांक 03.10.2025 को 15.00 बजे तक बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https://ireps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।

(हस्ता.)

मण्डल रेल प्रबन्धक (संकेत एवं दूरसंचार)
प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M. P. Undertaking)
Office of The Dy. General Manager (O&M) Division, Itarsi
E-mail : mpczdgmitarsi@gmail.com

No./DGM/O&M/Veh/1566 — Itarsi, Dated : 04.09.2025

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invited offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle in the following locations.

Name of Unit/ Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of offer	Opening Date & Time
Office of The Manager Town Zone Itarsi.	Type G3, Light Commercial Vehicle (Non-AC) Truck (3 to 5 Metric Ton), There is a need for commercial Vehicle for Company Work on Monthly Rent	3000/-	17.09.2025 up to 3:00 PM	18.09.2025 at 3:30 PM

Other details, terms and conditions are available on Company website **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.

M.P. Madhyam/121935/2025 — DGM (O&M)

कार्यालय अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति एवं आयुक्त तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल
श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग समय सारणी, सत्र 2025-26 (C-17)

काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर (वास्तुकला परिषद), नई दिल्ली द्वारा जारी Circular Letter Dated 27.08.25
Extension of last date for admission to B. Arch. Programme
के परिपालन में

संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत प्रवेश
(Institutional Preference Seats)
सत्र 2025-26

संस्थागत प्राथमिकता सीटों (Institutional Preference Seats) के लिये काउंसलिंग उन संस्थानों में आयोजित होगी, जिन्होंने इन सीटों के लिये सहमति पत्र के साथ आवेदन किया था। संस्थागत प्राथमिकता सीटों के अंतर्गत COA द्वारा स्वीकृत प्रवेश क्षमता के 10 प्रतिशत स्थानों तक ही प्रवेश की कार्यवाही निम्न समय सारणी अनुसार की जावेगी।

पाठ्यक्रम	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन	काउंसलिंग अवधि
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (B.Arch.)	20.09.2025 से 30.09.2025 सायं 5:30 बजे तक	दिनांक 25.09.2025 एवं सीटें रिक्त रहने पर दिनांक 30.09.2025 रात्रि 11:45 तक

- संस्थागत प्राथमिकता सीटों पर प्रवेश के लिये ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के पश्चात, उम्मीदवार को इच्छित संस्था में स्वयं उपस्थित होकर प्रवेश की कार्यवाही करनी होगी।
- संस्थागत प्राथमिकता सीटों के लिये उपलब्ध संस्थानों की सूची, प्रवेशित अभ्यर्थियों से लिये जाने वाले शिक्षण शुल्क की जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है।
- प्रवेश नियम, समय-सारणी, अभ्यर्थियों के लिये महत्वपूर्ण निर्देश, अधिकृत सहायता केन्द्रों की सूची वेबसाइट पर उपलब्ध है। काउंसलिंग में सम्मिलित होने के पूर्व इनका सूक्ष्मता से अध्ययन कर लें।
- काउंसलिंग वेबसाइट **dte.mponline.gov.in** पर उपलब्ध है।
- **संपर्क : 0755-6720205, 2660441**
- **ईमेल : dte[dot]helpcenter[at]mp[dot]gov[dot]in**

अतिरिक्त संचालक
म.प्र. माध्यम/121900/2025 — तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग खण्डवा

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हाउसिंग बोर्ड द्वारा विकसीत कालोनी लालबाग पार्ट ए बुरहानपुर न्यू इंदिरा कालोनी बुरहानपुर में स्थित भवन/भूखण्ड कमांक L-51 LIG मंडल द्वारा श्री कन्हैयालाल भोजवानी पिता श्री भागचंद भोजवानी के नाम नामांतरित है। उक्त संपत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन कार्यालय से दिनांक 04/08/2010 को पंजीकृत है। श्री कन्हैयालाल भोजवानी से उक्त संपत्ति श्री वीरू चौधरी पिता श्री लक्ष्मण चौधरी ने क्रय कर विक्रय विलेख का पंजीयन दिनांक 03/10/2023 को अपने पक्ष में करा लिया है।

क्रेता/विक्रेता द्वारा आवेदन शपथ पत्र/संयुक्त शपथ पत्र/विक्रय विलेख की छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए उक्त संपत्ति श्री वीरू चौधरी पिता श्री लक्ष्मण चौधरी की ओर हस्तांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजों के आधार पर उक्त संपत्ति के हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

उक्त संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति/उत्तराधिकारी/संस्था/वित्तिय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नही कि जावेगी एवं मंडल नियमानुसार कार्यवाही करने को स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधो. विकास मंडल
संभाग खण्डवा

M.P. MADHYA KSHETRA VIDYUT VITARAN CO. LTD.
(A Govt. of M.P. Undertaking)
Office of The General Manager (O&M) Circle, Harda
E-mail : mpczgmharda@gmail.com

No./GM/Harda/Pur/4369 — Harda, Dated : 02.09.2025

OFFER FOR HIRING VEHICLE

MPMKVVCL hereby invites offer/rate for hiring the below mentioned type of vehicle at the following location :-

Name of Unit/ Office	Particulars	EMD (Rs.)	Due Date of Submission of Offer	Opening Date & Time
O/o The General Manager (O&M) Circle Harda	Type E : Air-conditioned Jeep Category MUV with min. engine capacity 1450 CC (for Petrol/ Diesel) with Airbags and ABS	3000/-	15.09.2025 Up to 03:00 PM	15.09.2025 at 03:30 PM

Other details, terms and conditions are available on company website : **https://portal.mpcz.in** or the under signed office.

M.P. Madhyam/121889/2025 — GENERAL MANAGER (O&M)

नर्मदापुरम में कृत्रिम कुंड में होगा गणेश विसर्जन

कलेक्ट्रेट गेट से प्रवेश कर हर्बल पार्क पहुंच सकेंगे, प्रतिमा कलेक्शन सेंटर भी बनेंगे

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम में अनंत चतुर्दशी पर भगवान गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन हर्बल पार्क में बने कृत्रिम कुंड में होगा। नर्मदापुरम नगर पालिका विसर्जन के लिए कृत्रिम कुंड बना रही है। विसर्जन की व्यवस्था देखने गुरुवार को कलेक्टर सोनिया मीना, एसपी डॉक्टर गुरकरन सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत, एसडीओपी जितेंद्र एस पाठक, डीएसपी संतोष मिश्रा, तहसीलदार और सीएमओ हेमेश्वरी पटले समेत अधिकारियों ने निरीक्षण भी किया।

कलेक्टर मीना ने विसर्जन स्थल, प्रतिमा लेकर आने वाली गाड़ियों का रूट और गाड़ियां के पार्किंग की व्यवस्था का जायजा लिया। विसर्जन स्थल पहुंचने वाले रूट में बदलाव किया गया है। गाड़ियां फॉरेस्ट ऑफिस के सामने के बजाय कलेक्ट्रेट गेट से प्रवेश करेंगी। प्रतिमा उतारने के बाद तहसील के पीछे से फॉरेस्ट ऑफिस के सामने वाले रास्ते पर पहुंचेंगी।

प्रतिमा कलेक्शन सेंटर बनेंगे

नगर पालिका सीएमओ हेमेश्वरी पटले ने बताया शहर में 5 प्रतिमा कलेक्शन सेंटर भी बनेंगे। इसके अलावा ड्रम भी रखे जाएंगे। जहां लोग अपनी प्रतिमा सेंटर पर रख रखते हैं। इन गणेश प्रतिमाओं को सम्मान कृत्रिम कुंड में विसर्जित किया जाएगा। कृत्रिम कुंड बनाने के लिए जेसीबी और पोकलेन मशीन से काम कराया जा रहा है।

सुरक्षा को देखते हुए जिला प्रशासन ने इस बार रास्ते में बदलाव किया है। कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कोर्ट और एनजीटी के आदेश पर नदी, तालाबों में प्रतिमा विसर्जित करने पर प्रतिबंध है। पर्यावरण संरक्षण के लिए जिलेभर में अलग अलग कृत्रिम कुंड बनाएं जा रहे हैं। प्रतिमाओं को इन्हीं कृत्रिम कुंड में विसर्जित करने की लोगों से अपील है।

कलेक्टर मीना ने कहा हर साल प्रतिमाएं फॉरेस्ट ऑफिस के सामने से होते हुए हर्बल पार्क कुंड तक पहुंचती थी। लेकिन इस बार कलेक्ट्रेट गेट से प्रतिमा लेकर गाड़ियां कुंड तक पहुंचेंगी, ताकि किसी भी प्रकार की परेशानी न हो।

क्रेन से विसर्जित होंगी प्रतिमाएं

नपा प्रबंधन ने बड़ी मूर्तियों के विसर्जन के लिए क्रेन की व्यवस्था की है। बड़ी मूर्तियों को क्रेन के माध्यम से उठाकर सीधे कृत्रिम कुंड में विसर्जित किया जाएगा। साथ ही छोटी मूर्तियों के विसर्जन के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

आठवीं एवं दसवीं पास विद्यार्थियों के लिए आईटीआई महाविद्यालय में प्रवेश लेने का सुनहरा अवसर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के कक्षा आठवीं एवं कक्षा दसवीं पास छात्र-छात्राओं के लिए आईटीआई महाविद्यालय में विभिन्न ट्रेडों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। आईटीआई महाविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए विद्यार्थियों को एक सुनहरा अवसर भी प्राप्त हो रहा है। प्रवेश प्रक्रिया 1 सितंबर से प्रारंभ हुई है जो 10 सितंबर तक चलेगी। इस दौरान रिक्त सीटों पर विभिन्न कोर्स में विद्यार्थी अपनी योग्यता अनुसार प्रवेश ले सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया पहले आओ पहले पाओ के आधार पर निर्धारित की गई है। सभी सीटें अनारक्षित हैं। सभी वर्गों चाहे वह अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से हो चाहे वह ओबीसी या सामान्य वर्ग के हो अथवा महिला या पुरुष हो सभी के लिए एडमिशन प्रक्रिया ओपन है। आईटीआई महाविद्यालय नर्मदापुरम के प्रभारी प्राचार्य ने बताया कि संभागीय आईटीआई महाविद्यालय नर्मदापुरम में ड्राइवर कम मैकेनिक फैकल्टी की 12 सीट, ड्रोन टेक्नीशियन की 11, फैशन डिजाइनिंग की तीन, मोटर मैकेनिक की दो, टर्नर की एक, वेल्डर (एससीवीटी) की 9 और वेल्डर (एनसीवीटी) की 15 सीट रिक्त है। संभागीय आईटीआई महाविद्यालय नर्मदापुरम में कुल 53 सीट रिक्त है। छात्र-छात्राएं अपने पसंदीदा कोर्स के साथ एडमिशन ले सकते हैं।

पुष्पराज पटेल ने दी संगठन की सीख

जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवकांत पाण्डे का नगरागमन पर हुआ भव्य स्वागत

माखननगर ■ निसं

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस कमेटी ने एक बार पुन: शिवाकांत पाण्डे गुड्डन पर भरोसा जताते हुए नर्मदापुरम जिला कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया । जिनका गुरुवार को माखननगर आगमन पर भव्य स्वागत हुआ । सर्वप्रथम रत्नेश बड़गूजर के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेसियों ने बाबा मेरिज गार्डन में ,इधर राजेन्द्र खण्डेलवाल ने साथियों के साथ अपने प्रतिष्ठान पर व बस स्टेंड पर अहिरवार समाज के लोगों ने श्री पाण्डे का स्वागत किया । ब्लाक व नगर कांग्रेस का मुख्य स्वागत समारोह श्री सांई जयहिन्द मेरिज गार्डन मैं किया गया जहाँ सैकड़ों कांग्रेसियों ने लगातार दूसरी बार बने जिला कांग्रेस अध्यक्ष का आत्मीय स्वागत किया । जहाँ शिवाकांत पाण्डे ने संगठन के साथ चलने व कांग्रेसियों के लिए चौबीस घंटों उपलब्ध रहने की बात कही ।

वहीं सोहागपुर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे पुष्पराज पटेल ने कहा कि ईमानदारी के संकल्प के साथ संगठन चलाने पर कांग्रेस मजबूत तो होगी ही साथ ही आगामी समय में कांग्रेस को कोई हरा नहीं पायेगा । उन्होंने आगे कहा कि जो कांग्रेस छोड़कर चले गए उन्हें जाने दो और बचे उनके साथी जो जाने की मंशा रखते हैं उन्हें भी जाने दो । कार्यक्रम मैं पूर्व विधायक गिरजाशंकर शर्मा ,पूर्व प्रदेश सचिव यशवंत सिंह राजपूत, दोबारा किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बने बाबू चौधरी,संतोष मालवीय, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राजेन्द्र मुराड़या,नगर अध्यक्ष संजय गिल्ला, जिला पंचायत सदस्य हाकमसिंह ,महिला कांग्रेस अध्यक्ष संयोगिता पाण्डे, नगर अध्यक्ष सुनीता जैन, ब्लॉक सेवादल अध्यक्ष सुबोध दुवे, नगर अध्यक्ष सुमित डेरिया, रामबाबू अग्रवाल, सुधीर पटेल, संजू पटेल आदि।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी. गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाक पंजीयन -MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।